RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:117 ता. 01 नवम्बर 2022, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

क्या मोरबी में लालच लील गया सैकड़ों जानें?

मोरबी। गुजरात के मोरबी का मशहूर झूलता पुल रविवार को ढह गया। आंकड़े बताते हैं कि हादसे के वक्त करीब 500 लोग इसपर सवार थे। अब तक 132 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल, सवाल उठ रहा है कि 7 महीनें पहले रिनोवेशन के लिए बंद हुए पुल को बगैर फिटनेस सर्टिफिकेट के क्यों खोला गया? हालांकि, खबर है कि कंपनी के खिलाफ FIR दर्ज कर की गई है। मार्च 2022 में मोरबी की ओरेवा ग्रुप (अजंता मेन्युफेक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड) को पुल के रखरखाव का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, मोरबी नगरपालिका के मुख्य अधिकारी संदीपसिंह जाला ने कहा, %पुल मोरबी नगरपालिका की संपत्ति है, लेकिन हमने 15 सालों तक रखरखाव और संचालन के लिए इसे कुछ महीनों पहले ओरेवा ग्रुप को सौंपा था। हालांकि, निजी कंपनी ने हमें जानकारी दिए पुल आने वालों के लिए खोल दिया था। इसके चलते हम पुल का सेफ्टी ऑडिट नहीं करा सके।

बेटे, पत्नी की लाश लेकर लापता बेटी तलाश रहा पिता, मोरबी की दर्दनाक कहानियां; 100 से ज्यादा मौतें

उन्होंने बताया, रिनोवेशन के काम के बाद इसे जनता के लिए खोल दिया गया था लेकिन स्थानीय नगरपालिका ने अब तक कोई फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं किया था।% मच्छु नदी पर इस पुल का निर्माण 19वीं सदी में किया गया था। घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को 6-6 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया गया है। हादसे में अब तक 132 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। यह जानकारी गुजरात के गृहमंत्री हर्ष संघवी ने दी है। उन्होंने बताया, अब तक कुल 132 लोगों की मृत्यु इस हादसे में हुई है। नेवी, NDRF, वायुसेना और सेना तेजी से पहुंच गई, पूरी रात 200 से अधिक लोगों ने काम किया है।

मोरबी हादसे पर पीएम मोदी हुए भावुक, कहा- मैंने अपने जीवन में शायद ही कभी इस तरह के दर्द का अनुभव किया

नई दिल्ली / केवड़िया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने मोरबी ब्रिज हादसे पर दुख व्यक्त किया। पीएम मोदी ने भावुक होते हुए कहा कि मेरा मन करुणा से भरा हुआ है।

मेरा मन मोरबी के पीड़ितों के साथ- पीएम मोदी

गुजरात के केवड़िया में पीएम मोदी ने कहा कि मैं एकता नगर में हूं लेकिन मेरा मन मोरबी के पीड़ितों के साथ है। मैंने अपने जीवन में शायद ही कभी इस तरह के दर्द का अनुभव किया होगा। एक तरफ दर्द से भरा दिल है तो दूसरी तरफ है कर्तव्य का रास्ता है।

केंद्र भी राज्य सरकार को कर रही हरसंभव मदद

साथ ही कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। दुख की इस घड़ी में सरकार हर तरह से शोक संतप्त परिवारों के साथ है। गुजरात सरकार कल से राहत और बचाव कार्य कर रही है। केंद्र भी राज्य सरकार को हरसंभव मदद कर रही है।

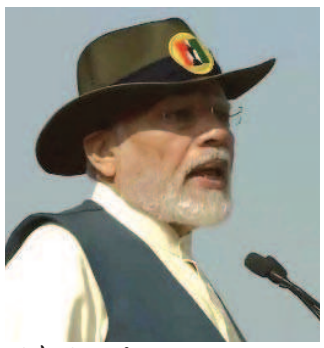

इलाज के लिए अस्पताल में बरती जा रही है पूरी सतर्कता

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अस्पताल में भी पूरी सतर्कता बरती जा रही है, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। लोगों को कम से कम परेशानी हो, यह सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी जा रही है।

राज्य सरकार ने जांच के लिए गठित की कमेटी

पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल बीती रात मोरबी पहुंचे। वह कल के बाद से खोज और बचाव कार्यों की कमान संभाल रहे हैं। राज्य सरकार ने इस घटना की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया है। मैं देश के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि बचाव और राहत कार्यों में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

सीएम ने घायलों से की मुलाकात

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सोमवार सुबह ही मोरबी में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने सर्च अभियान, राहत-बचाव अभियान, घायलों के इलाज सहित सभी मामलों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने मोरबी ब्रिज ढहने की घटना में व्यवस्था को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

राहुल गांधी और अन्य 'भारत यात्रियों' ने मोरबी पुल हादसे के पीड़ितों के लिए रखा 2 मिनट का मौन

● कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने यहां 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान गुजरात के मोरबी शहर में पुल हादसे में मारे गए लोगों की याद में दो मिनट का मौन रखा। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर और सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का चौथा दिन शादनगर में सुबह साढ़े पांच बजे शुरू हुआ। भारत यात्रियों ने सरदार पटेल और इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की और फिर गुजरात में मोरबी पुल त्रासदी में मारे गए लोगों की याद में दो मिनट का मौन रखा। गुजरात के मोरबी शहर में रविवार की शाम माच्छू नदी पर बने केबल पुल के टूटने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 130 से अधिक हो गई है। यह पुल करीब एक सदी पुराना था और मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य के बाद इसे आमजन के लिए पांच दिन पहले ही खोला गया था। पुल रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे टूट कर नीचे गिर गया। कांग्रेस पार्टी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ राहुल गांधी ने सोमवार सुबह यहां से पदयात्रा शुरू की और उनके करीब 22 किलोमीटर की दूरी तय करने का कार्यक्रम है। यह तेलंगाना में 'भारत जोड़ो यात्रा' का छठा दिन है। यात्रा शादनगर बस डिपो से शुरू हुई है। यह दोपहर में पेपिरस पोर्ट, कोथूर में रुकेगी। राहुल गांधी दोपहर में एक संवाददाता सम्मेलन भी करेंगे। जिला परिषद स्कूल, थोंडापल्ली, शमशाबाद के पीछे रात्रि विश्राम किया जाएगा। 'भारत जोड़ो यात्रा' सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी।

भारत समेत दुनिया के कई देशों में 8 नवंबर को पूर्ण चंद्र ग्रहण दिखेगा

दीवाली के अगले दिन आंशिक सूर्य ग्रहण के लगभग एक पखवाड़े बाद भारत और दुनिया के कई अन्य देशों में 8 नवम्बर को पूर्ण चंद्र ग्रहण

कोलकाता। दीवाली के अगले दिन आंशिक सूर्य ग्रहण के लगभग एक पखवाड़े बाद भारत और दुनिया के कई अन्य देशों में 8 नवम्बर को पूर्ण चंद्र ग्रहण दिखाई देगा। प्रसिद्ध खगोल विज्ञानी देबी प्रसाद दुआरी ने यह जानकारी दी। 1100 रुपए मूल्य की जन्म कुंडली मुफ्त में पाएं। अपनी जन्म तिथि अपने नाम, जन्म के समय और जन्म के स्थान के साथ हमें 96189-89025 पर व्हाट्सएप करें दुआरी ने कहा कि भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और रूस के अलावा एशिया के कई

अन्य हिस्सों, उत्तर व दक्षिण अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी अटलांटिक महासागर व प्रशांत महासागर क्षेत्र के लोग इस खगोलीय घटना का दीदार कर सकेंगे। दुआरी ने कहा कि पूर्ण चंद्र ग्रहण हर जगह नहीं दिखाई देगा और शुरूआत में लातिन अमरीका के कुछ देशों में आंशिक चंद्र ग्रहण नजर आएगा।

इंदिरा गांधी की 38वीं पुण्यतिथि, सोनिया व मल्लिकार्जुन खरगे ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 38वीं पुण्यतिथि पर देश आज उन्हें याद कर रहा है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शक्ति स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित अन्य नेताओं ने भी उन्हें शक्ति स्थल पर श्रद्धांजलि दी।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया वीडियो

वहीं, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने भी पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को याद किया। उन्होंने ट्वीटर पर एक वीडियो भी शेयर किया है। राहुल गांधी ने

लिखा है कि दादी, आपका प्यार और संस्कार दोनों दिल में ले कर चल रहा हूं। जिस भारत के लिए आपने अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया, उसे बिखरने नहीं दूंगा।

मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनके बलिदान दिवस पर मेरा नमन। कृषि हो, अर्थव्यवस्था हो या फिर सैन्य बल, भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाने में इंदिरा गांधी का योगदान अतुलनीय है।

सुरक्षा गार्ड ने की थी पूर्व पीएम की हत्या

बता दें कि 38 साल पहले पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के सुरक्षा गार्ड ने उन्हें गोलियों से भून डाला था। जिसके बाद इंदिरा गांधी का एम्स में काफी देर तक इलाज चला। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

मोरबी झूला पुल हादसे में 132 लोगों की जान गई

अहमदाबाद (गुजरात)। मोरबी झूला पुल हादसे में सोमवार सुबह तक 132 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। रविवार शाम करीब साढ़े 6 बजे पुल के टूटकर गिरने के बाद मच्छु नदी से शव निकाले जा रहे हैं। राहत और बचाव कर्यय में जल, थल और वायु तीनों सेना जुटी हैं। एनडीआरएफ की टीम भी मच्छु नदी में राहत और बचाव कार्य में जुटी है। राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोमवार सुबह बताया कि रविवार शाम ब्रिज पर 210 लोग मौजूद थे। अब तक करीब 132 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। रातभर राहत और बचाव कार्य में पूरा प्रशासन जुटा रहा। घायलों की जान बचाने की कोशिश को प्राथमिकता देते हुए बचाव कार्य को अंजाम दिया गया है। मुख्यमंत्री रात ढाई बजे तक दुर्घटना स्थल पर मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह सुबह से राहत और बचाव की जानकारी हासिल कर रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अभी तक दो लोग लापता हैं। नदी का पानी कम कर बचाव

रातभर राहत और बचाव कार्य में पूरा प्रशासन जुटा रहा। घायलों की जान बचाने की कोशिश को प्राथमिकता देते हुए बचाव कार्य को अंजाम दिया गया है। मुख्यमंत्री रात ढाई बजे तक दुर्घटना स्थल पर मौजूद रहे।

कार्य को अंजाम दिया गया। ब्रिज की मरम्मत करने वाली एजेंसी के खिलाफ क्रिमिनल केस किया जाएगा। आईजी की अध्यक्षता में हादसे की जांच की जाएगी। आसपास के जिलों की पुलिस की मदद जांच में ली जाएगी। प्रशासन ने 99 मृतकों की सूची जारी की है।

डबल इंजन सरकार में आ गई तकनीकी खराबी? भाजपा और सांसद के बीच उत्तराखंड में बढ़ीं दूरियां!

देहरादून। भारतीय जनता पाटी का टिहरी सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह से सम्पर्क नहीं हो पा रहा है। पार्टी के प्रदेश महामंत्री ने खुद संगठन को इसकी जानकारी दी है। दरअसल भाजपा प्रदेश संगठन ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए हर विधानसभा और लोक सभा क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किए थे। इसमें सभी सांसदों की ड्यूटी लगाई गई थी। कार्यक्रमों में सांसदों के समन्वय का जिम्मा पार्टी के प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र सिंह बिष्ट को दिया गया था। उनकी ओर से तैयार किए गए कार्यक्रम में सभी सांसदों और मन की बात के लिए चिह्नित स्थान का जिक्र किया गया है। लेकिन टिहरी

सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह के नाम के आगे लिखा गया है कि उनसे संपर्क नहीं हो पाया। इससे सांसद माला राज्यलक्ष्मी और प्रदेश संगठन के बीच तालमेल की असलियत खुलकर सामने आई है। सोशल मीडिया में वायरल हुआ पत्र भाजपा के प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र सिंह बिष्ट की ओर से तैयार की गई सांसदों के कर्यक्रम की सूची सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। लोग भाजपा संगठन और सांसद के बीच सम्पर्क न होने पर लगातार चुटकियां ले रहे हैं। कई लोग इसे डबल इंजन में आई तकनीकी खराबी करार दे रहे हैं।

क्षेत्र से दूरी के लगते रहे हैं आरोप

टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह पर अपने संसदीय क्षेत्र की उपेक्षा के आरोप लगते रहे हैं। पिछले सालों में टिहरी के प्रतापनगर क्षेत्र में एक स्कूल वैन दुर्घटना के बाद स्थानीय सासंद के न पहुंचने पर लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया था। इसके अलावा भी कई अन्य अवसरों पर उनकी गैरमौजूदगी लोगों को खलती रही है। टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह पूरी तरह पार्टी के सम्पर्क में हैं और संगठन भी लगातार उनके सम्पर्क में है। सोशल मीडिया में जो पत्र वायरल हो रहा है उसमें मिस प्रिंटिंग हुई है। यह पार्टी का अंदरूनी पत्र है जिसे वायरल कर बेवजह विवाद खड़ा किया जा रहा है।

सावधान ! कोरोना का खतरा टला नहीं; ओमिक्रान का सब-वैरिएंट आया, तमिलनाडु समेत इन राज्यों में बढ़ रहे केस

नई दिल्ली। ओमिक्रान के सब-वैरिएंट XBB के चलते कोरोना के मामले एक बार फिर से बढ़ने लगे हैं। XBB.3 सब-वैरिएंट की वजह से सिंगापुर में कोविड इंफेक्शन में तेजी से उछाल आई है। भारत के लिए भी यह खतरा बनता जा रहा है। देश के 9 राज्यों में अब तक XBB के केस रिपोर्ट हुए हैं, जिनमें तमिलनाडु सबसे ऊपर है। GISAID एक इंटरनेशनल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन है। यह वायस में होने वालों बदलावों पर नजर रखता है। इसके मुताबिक, भारत में 23 अक्टूबर तक XBB के 380 मामले सामने आए हैं। इस मामले तमिलनाडु सबसे आगे है, जहां 175 केस दर्ज हुए हैं। इसके बाद 103 मामलों के साथ पश्चिम बंगाल दूसरे नंबर पर है। मालूम हो कि बंगाल में ही ओमिक्रान के इस सब-वैरिएंट का पहला मामला सामने आया था।

इन राज्यों में फैला XBB सब-वैरिएंट

तमिलनाडु और बंगाल के अलावा ओडिशा (35), महाराष्ट्र (21), दिल्ली (18), पुडुचेरी (16), कर्नाटक (9), गुजरात (2) और राजस्थान (1) में भी XBB का संक्रमण फैला है। अब तक मिले 380 मामलों में XBB.3 सब-वैरिएंट 68.42 फीसदी है। XBB.2 के केस 15 प्रतिशत और XBB.1 के 2.36 प्रतिशत हैं।

इसे देखते हुए दूसरे राज्यों को अलर्ट कर दिया गया है।

नए वैरिएंट को लेकर WHO भी चिंतित

डब्लूएचओ की चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन ने भी कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर चिंता जताई है। सौम्या के मुताबिक, XBB वैरिएंट इम्यून सिस्टम को धोखा देकर संक्रमण का शिकार बना सकता है। साथ ही उन्होंने कुछ देशों में कोरोना की नई लहर की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना के 300 से ज्यादा सब-वैरिएंट चिंता का विषय बने हुए हैं। इसमें भी एक्सबीबी वैरिएंट ज्यादा घातक है। सौम्या स्वामीनाथन ने कहा, यह वैरिएंट इम्यून सिस्टम को धोखा देने में सक्षम है। हमने पहले भी कई घातक वैरिएंट देखे हैं, लेकिन यह वैरिएंट एंटीबॉडीज पर हावी हो सकता है। इस वैरिएंट के चलते कुछ देशों में फिर से कोरोना की लहर आ सकती है। हम एक्सबीबी के साथ-साथ बीए5 और बीए1 पर भी निगाह लगाए हुए हैं। यह दोनों वैरिएंट भी बेहद घातक हैं।

सौम्या के मुताबिक, XBB वैरिएंट इम्यून सिस्टम को धोखा देकर संक्रमण का शिकार बना सकता है।

सार समाचार

कल से एम्स में मुफ्त होगा ओपीडी का रजिस्ट्रेशन, 300 रुपए तक की जांचें भी होगी फ्री

नई दिल्ली । दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान इलाज के लिए अस्पताल में आने वाले मरीजों को बड़ी राहत देने जा रहा है। बुधवार 2 नवंबर से एम्स में ओपीडी का निशुल्क पंजीकरण किया जाएगा। एम्स प्रशासन ने इसका ऐलान कर दिया है और यह व्यवस्था मंगलवार सुबह से लागू हो जाएगी। एम्स प्रशासन की ओर से मरीजों से लिया जाने वाला ओपीडी का 10 रुपए शुल्क खत्म कर दिया गया है। इसके साथ ही 300 रुपए तक की स्वास्थ्य जांच भी मुफ्त कर दी गई है। एम्स प्रबंधन के इस निर्णय से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को राहत मिलेगी। यह व्यवस्था बुधवार से लागू हो जाएगी। एम्स में ओपीडी पंजीकरण के लिए अब तक 10 रुपए का शुल्क निर्धारित है, जो आगामी 2 नवंबर से समाप्त हो जाएगा। अब लोगों को पंजीकरण के लिए किसी तरह का कोई शुल्क नहीं देना होगा। एम्स प्रशासन के इस फैसले से ऐसे लोगों को राहत मिलेगी, जो बेहद गरीब परिवार से आते हैं। ओपीडी के लिए पंजीकरण निशुल्क होने के साथ-साथ एम्स प्रशासन की ओर से एक और बड़ा निर्णय लिया गया है। इसके तहत अब एम्स में 300 रुपए तक की जांच की सुविधा भी निःशुल्क ही होगी। यह निर्णय भी 2 नवंबर से अमल में आ जाएगा। एम्स में 2 नवंबर से ही सीटी स्कैन और एमआरआइ जांच का डाटा भी आनलाइन कर दिया जाएगा। इसका फायदा मरीजों को ही मिलेगा। इसके अलावा, एम्स में अब मरीज की जांच का डाटा भी रियल टाइम में अपडेट किया जाएगा। एम्स प्रशासन की ओर से पारदर्शिता लाने के लिए यह कदम उठाया गया है। एम्स में सीटी स्कैन व एमआरआइ जांच के लिए लंबी तारीख मिलती थी। इसको लेकर एम्स प्रशासन पर लगातार आरोप लगते रहे हैं। अब एम्स के इस फैसले से लोगों को भी संतुष्टि का भान होगा। वहीं, एम्स प्रशासन ने पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाते हुए शनिवार को अपनी वेबसाइट पर एक डैशबोर्ड की शुरुआत कर दी है। इसमें इमरजेंसी बिस्तर और इलाज कराने के प्रतीक्षारत मरीजों का रियल टाइम डाटा उपलब्ध कराया जा रहा है। एम्स के निदेशक एम श्रीनिवास ने एम्स मुख्य अस्पताल कैजुअल्टी डैशबोर्ड' की शुरुआत की। उन्होंने इमरजेंसी बिस्तरों की उपलब्धता के रियल टाइम डाटा, बिस्तर की स्थिति से जुड़े एकीकृत डैशबोर्ड और दोतरफा रेफरल प्राणली बनाने पर जोर दिया।

राकांपा प्रमुख शरद पवार की तबीयत बिगड़ी, ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती

मुंबई । राकांपा अध्यक्ष शरद पवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका तीन दिनों तक अस्पताल में इलाज चलेगा। उनके निजी चिकित्सक ने उन्हें अस्पताल में इलाज कराने की सलाह दी है। एनसीपी महासचिव शिवाजीराव गरजे ने अपने एक पत्र में जानकारी दी है कि डॉक्टर की सलाह के मुताबिक शरद पवार को अगले तीन दिनों तक ब्रिच कैंडी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है उन्हें 2 नवंबर को छुट्टी दी जाएगी। उन्होंने यहां जारी एक पत्र में बताया कि वह 3 नवंबर को शिरडी में होने वाले पार्टी कैंप में शिरकत करेंगे। पत्र में अपील की गई है कि पदाधिकारी अस्पताल परिसर में भीड़ न लगाएं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद शरद पवार का 1 नवंबर को राज्य में 700 ग्राम सभा प्रतिनिधियों के साथ संवाद करने का कार्यक्रम था, अब उनका दौरा रद्द कर दिया गया है। सम्मेलन वर्धा के गांधी आश्रम सेवाग्राम में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया था।

शराब कारोबारियों में दिखा उमा भारती का खौफ, सागर में उनके पहुंचने से पहले दुकानदारों ने बंद की दुकान

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता उमा भारती इन दिनों मध्य प्रदेश यात्रा कर रही हैं। शराबबंदी को लेकर सक्रिय पूर्व सीएम की दहशत शराब कारोबारियों पर ऐसी दिख रही है कि उनके आने की खबर लगते ही शराब दुकानों पर ताले लगने लगे। डर का आलम ये था कि उमा भारती के काफिले के निकल जाने के बाद ही शराब दुकानें खोली गईं। बीती शनिवार यानी 20 अक्टूबर के दिन सागर जिले के बंडा से होकर उनका काफिला गुजरा और इसकी खबर शराब विक्रेताओं को मिली। उमा भारती इन दिनों मध्य प्रदेश यात्रा कर रही हैं। शराबबंदी को लेकर सक्रिय पूर्व सीएम की दहशत शराब कारोबारियों पर ऐसी है कि उनके आने की खबर लगते ही शराब दुकानों पर ताले लग जाते हैं। शनिवार रात वे छतरपुर जाते समय सागर जिले के बंडा से होकर गुजरी तो नजारा ये था कि शराब विक्रेताओं ने खबर मिलते ही अपनी दुकानें बंद कर दी। दुकानदारों के दुकान बंद करने की कई तस्वीरें सामने आईं। जहां दुकाने बंद हो गई थी वहां शराब लेने आए लोग दीदी के जाने का इंतजार करते रहे।

शाहजहांपुर में भाजपा नेता की दबंगई, चिकित्सक पर बंदूक तानकर दी धमकी, मामला दर्ज

शाहजहांपुर। जिले के राजकीय मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता द्वारा बंदूक तानकर धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने भाजपा नेता के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) संजय कुमार ने सोमवार को दर्ज कराई गई प्राथमिकी के हवाले से बताया कि राजकीय मेडिकल कॉलेज में डॉ. करण गुप्ता शनिवार रात 12 बजे ड्यूटी पर थे, तभी शहर निवासी अंशुल अग्निहोत्री को सीने में दर्द की शिकायत पर अस्पताल लाया गया। डॉ. गुप्ता ने मरीज की जांच करने के बाद उन्हें ईसीजी कराने भेजा दिया। कुमार ने बताया कि इस बीच भाजपा की महानगर इकाई के उपाध्यक्ष राजकमल बाजपेई ने अस्पताल आकर हंगामा शुरू कर दिया। कुमार ने बताया कि इसके बाद राजकमल बाजपेई ने चिकित्सक से हाथापाई की और उन पर बंदूक तान दी। वहीं, बाजपेई ने पीटीआई- को बताया कि मरीज अंशुल अग्निहोत्री उनके परिचित थे और सही इलाज न मिलने पर उसके परिजनों ने उन्हें बुलाया था। बाजपेई ने बताया कि जब हम वहां गए तो चिकित्सक अपने कमरे में बैठ कर मोबाइल पर गेम खेल रहे थे और जब उनसे मरीज को देखने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा कि यह हमारे बस से बाहर है, इसे कहीं और ले जाइए। भाजपा नेता ने बताया कि जब उन्होंने स्ट्रेचर की मांग की तो डॉक्टर ने खुद ही स्ट्रेचर ढूंढने के लिए कह दिया। इसके बाद उन्होंने मरीज को जैसे-तैसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने रविवार देर रात भाजपा नेता के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया, दो गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू कश्मीर पुलिस ने रविवार को एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया, जिसे यूरोप से संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने जम्मू में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन की मदद से हथियारों और विस्फोटकों की खेप गिराए जाने में शामिल उसके दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। आरएस पुरा में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के साथ बासपुर बांगला क्षेत्र में ड्रोन द्वारा हथियार गिराए जाने की जांच के दौरान डोडा के चंदर बोस और कैंप गोले गुजराल, जम्मू के शमशेर सिंह को पकड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि उनके पास से चार पिस्तौल, आठ मैगजीन और 47 गोलियां बरामद हुई हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने कहा कि पूछताछ के दौरान बोस ने खुलासा किया कि वह सिंह के इशारे पर काम कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि दोनों से पूछताछ के दौरान पता चला कि आतंकी मॉड्यूल का संचालक यूरोप में है। सिंह ने कहा, ''दोनों (बोस और सिंह) एक ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) के संपर्क में थे, जिसका नाम बलविंदर है, जो जम्मू का निवासी है और अब यूरोप में बस गया है।'' उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी और ओजीडब्ल्यू प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''बलविंदर भारत में आरोपियों और पाकिस्तान में हथियारों की खेप के संचालकों, दोनों के साथ समन्वय कर रहा था।

राजद्रोह कानून पर रोक जारी रहेगी, जनवरी के दूसरे हफ्ते में सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सरकार संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में भारतीय दंड संहिता की धारा 124 (ए) के तहत देशद्रोह कानून में बदलाव ला सकती है। शीर्ष अदालत देशद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत ने देशद्रोह कानून को चुनौती देने वाली कुछ याचिकाओं पर केंद्र को नोटिस भी जारी किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित के नेतृत्व वाली शीर्ष अदालत ने जनवरी के दूसरे सप्ताह में सुनवाई के लिए देशद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले मामलों को पोस्ट किया।

भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए देशद्रोह के अपराध को अपराध बनाती है। इससे पहले मई में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि जब तक सरकार इसकी समीक्षा नहीं करती और जेल में बंद लोग जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं, तब तक विवादास्पद राजद्रोह कानून पर रोक रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, जो देशद्रोह के अपराध को अपराध बनाती है, को तब तक स्थगित रखा जाए जब तक कि सरकार द्वारा कानून की समीक्षा करने की कवायद पूरी नहीं हो जाती।

भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना, जस्टिस सूर्यकांत और हेमा कोहली की पीठ ने केंद्र सरकार और राज्यों से धारा 124 ए के तहत कोई भी मामला दर्ज नहीं करने को कहा। पीठ ने कहा कि अगर भविष्य में ऐसे मामले दर्ज किए जाते हैं, तो पक्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र हैं और अदालत को इसका तेजी से निपटान करना होगा।

गुजरात में किसकी बनेगी सरकार? राहुल गांधी बोले- आम आदमी पार्टी की कोई हवा नहीं, केवल कांग्रेस ही जीतेगी

रंगारेड्डी (तेलंगाना) (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि गुजरात में आम आदमी पार्टी जमीन पर नहीं, सिर्फ हवा में है, लेकिन उनकी पार्टी मजबूत है और प्रदेश में अगली सरकार बनाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तय करेंगे कि इन चुनावों में उनका उपयोग किस तरह से किया जाना है। राहुल गांधी ने यह आरोप भी लगाया कि तेलंगाना में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की सरकार जनता को लूट रही है और दलितों एवं आदिवासियों की जमीन छीन रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि टीआरएस के साथ हाथ मिलाने का सवाल ही नहीं उठता। गुजरात की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा, ''गुजरात में कांग्रेस बहुत प्रभावशाली ढंग से चुनाव लड़ रही है। आम आदमी पार्टी सिर्फ हवा में है, जमीन पर नहीं है। वह विज्ञापन पर पैसा खर्च कर रही है और ऐसे में उसका हव्वा खड़ा किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''गुजरात में कांग्रेस मजबूत है। सत्ता के खिलाफ माहौल है। कांग्रेस यह चुनाव जीतेगी।

यूनिफॉर्म सिविल कोड के सरकार के प्रस्ताव पर बोले केजरीवाल, एक कानून पूरे देश में क्यों नहीं

वडोदरा। (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में एक समान कानून यानी कॉमन सिविल कोड लागू करने के लिए बनी समिति पर सवाल उठाए हैं। गुजरात के भावनगर में केजरीवाल ने कहा कि अगर पार्टी ऐसा करना चाहती है तो इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी की नीयत खराब है। अगर पार्टी इसे लागू करना चाहती है तो इसे पूरे देश में लागू करें। केजरीवाल ने पूछा कि क्या वे लोकसभा चुनाव का इंतजार कर रहे हैं? यूनिफॉर्म सिविल कोड ऐसा हो जिसमें सभी की रजामंदी हो।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि जब से आम आदमी पार्टी ने गुजरात में काम करना शुरू किया है, पुरानी राजनीति खत्म हो रही है। केजरीवाल ने पूछा कि क्या बीजेपी की अगुआई वाली केंद्र सरकार इस कदम उठाने के लिए लोकसभा चुनाव का इंतजार कर रही है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अपने गुजरात दौरे के तीसरे दिन भावनगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को खिताब कर रहे थे।

बता दें कि गुजरात सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए एक समिति गठित करने का फैसला किया है। सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य मंत्रिमंडल की शनिवार को हुई बैठक के दौरान समिति के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। इसे भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाली कैबिनेट की आखिरी बैठक माना जा रहा है, क्योंकि राज्य चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा अगले सप्ताह होने की उम्मीद है।

पॉक्सो कानून और आईपीसी, मुस्लिम पर्सनल लॉ से ऊपर, विवाह के लिए 18 साल ही है सही उम्र: कर्नाटक हाईकोर्ट

बेंगलुरु । कर्नाटक हाईकोर्ट मुस्लिम पर्सनल लॉ पर एक बड़ी लकीर खींच दी है। हाईकोर्ट ने साफ किया है कि पॉक्सो और आईपीसी मुस्लिम पर्सनल लॉ से ऊपर है। दो अलग-अलग मामलों की सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि शादी की उम्र के मामले में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) मुस्लिम पर्सनल लॉ से ऊपर हैं। हाईकोर्ट ने इस दावे को भी खारिज कर दिया कि जिसमें कहा गया था कि मुस्लिम कानून के तहत विवाह के लिए युवावस्था को ध्यान में रखा जाता है। इसके मुताबिक 15 साल में यौवन शुरू हो जाता है। इसलिए बाल विवाह प्रतिबंध अधिनियम की धारा 9 और 10 के तहत कोई अपराध नहीं बनता है। जस्टिस राजेंद्र बदामीकर ने अपने फैसले में कहा पॉक्सो अधिनियम एक विशेष कानून है। उन्होंने कहा कि यह पर्सनल लॉ से ऊपर है और पॉक्सो अधिनियम के तहत यौन गतिविधि के लिए स्वीकार्य आयु 18 साल ही है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने 27 वर्षीय एक मुस्लिम युवक की याचिका पर यह फैसला सुनाया। युवक की पत्नी की आयु 17 वर्ष है और वह गर्भवती है। जब वह जांच के लिए अस्पताल आई, तो चिकित्सा अधिकारी ने पुलिस को उसकी आयु के बारे में बताया और पति के खिलाफ बाल विवाह प्रतिबंध अधिनियम और पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया। हालांकि, अदालत ने पति की जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। जस्टिस बदामीकर ने ही एक अन्य मामले में 19 वर्षीय आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

लड़कियों की नीलामी मामले में माफी मांगे राजस्थान सरकार: मायावती

लखनऊ (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने राजस्थान के भीलवाड़ा में लड़कियों की नीलामी के मामले में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश सरकार को दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए जनता से माफी मांगनी चाहिए। मायावती ने ट्वीट किया राजस्थान की पंचायतों में लड़कियों की स्टाम्प पेपर पर कर्ज अदायगी सम्बंधी खरीद-फरोख्त सामाजिक व सरकारी व्यवस्था को शर्मसार करने वाली घटना है।

उन्होंने ट्वीट में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2022 के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के-लड़की हूं लड़ सकती हूं अभियान का जिक्र करते हुए कहा, क्या 'लड़की हूँ लड़ सकती हूँ' का दावा करने वाली कांग्रेस पार्टी व उनकी राज्य (राजस्थान) सरकार का लड़कियों के प्रति यही असली क्रूर रूप है? बसपा अध्यक्ष ने कहा कि विभिन्न आयोगों द्वारा इस घटना के सम्बंध में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करना उचित है लेकिन यह इसका समुचित हल नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेसी सरकार को दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ इस शर्मनाक घटना पर महिलाओं व राज्य की जनता से तुरंत माफी मांगनी चाहिए। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कर्ज अदायगी के लिए लड़कियों की नीलामी के आरोपों की जांच के संबंध में शुक्रवार को दो सदस्यीय तथ्यान्वेषी टीम का गठन किया। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने राजस्थान के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। शर्मा ने मुख्य सचिव से आयोग को की गई कार्रवाई से अवगत कराने को कहा है। शीर्ष बाल अधिकार निकाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो भी आरोपों की विस्तृत जांच करने के लिए सात नवंबर को भीलवाड़ा जाएंगे।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने किया बड़ा ऐलान, 492 करोड़ रुपये का इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर रंजनगांव में होगा स्थापित

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में मेगा परियोजनाओं को लेकर चल रहे वाकयुद्ध के बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य ने 492.85 करोड़ रुपये की एक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) परियोजना को मंजूरी दी है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र ने वादा किया है कि महाराष्ट्र एक इलेक्ट्रॉनिक हब होगा। फडणवीस ने आगे कहा कि एक टेक्सटाइल पार्क भी पाइपलाइन में है। यह प्रस्ताव अंतिम चरण में है... पिछले 3 महीनों में एक नकली आख्यान फैलाया जा रहा है कि हम आर्थिक रूप से कमजोर हैं... (यह) पूरी तरह से झूठ और मनगढ़ंत है।

फडणवीस ने आरोप लगाया कि इस दौरान महा विकास अघाड़ी (एमवीए) शासन के दौरान 'भ्रष्टाचार की वजह से उनके कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। महा विकास अघाड़ी उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में वैचारिक रूप से विरोध करने वाली शिवसेना का गठबंधन था। राज्य में 25,000 करोड़ का निवेश होने जा रहा है। यह लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लाने जा रहा है।' इससे पहले दिन में उन्होंने ट्विटर पर महाराष्ट्र में ईएमसी के तौर-तरीकों की घोषणा की।

'देवेंद्र फडणवीस ने पुणे के रंजनगांव में स्थित महाराष्ट्र इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर पर अपनी टिप्पणी में ट्वीट करते हुए कहा कि इससे महाराष्ट्र में मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार होगा। रंजनगांव में यह इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर 297.11 एकड़ में फैला होगा और विकास पर 492.85 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 207.98 करोड़ रुपये भारत सरकार का योगदान है।

पटरी पर लौटा पटाखों का कारोबार, इस साल छह हज़ार करोड़ रुपये की बिक्री

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी को छोड़कर पूरे देश में दीपावली पर खुदरा पटाखों की करीब छह हज़ार करोड़ रुपये कीबिक्री हुई, जिसके बाद पटाखा उद्योग ने राहत की सांस ली है। कारोबारियों को इस बात की खुशी है कि उनकी दुकान में इस साल बिक्री का माल नहीं बचा है। उद्योग के एक नेता ने कहा, पिछले दो वर्षों के मुकाबले इस साल बिक्री अधिक हुई है, लेकिन मूल्य के संदर्भ में देखा जाए तो 2022 का कारोबार कमोबेश 2016 और 2019 के बीच के व्यावसायिक रुझानों के समान रहा है।

भारत में ओमिक्रॉन वेरिएंट का नया सब वेरिएंट XBB ला सकता है नई लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश और दुनिया में इन दिनों ओमिक्रॉन वेरिएंट के सब वेरिएंट XBB के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। भारत में अब ये वेरिएंट खतरनाक रुप लेता जा रहा है क्योंकि इसले मामले लगातार सामने आ रहे है। ऐसे में इसके मामले बढ़ना चिंता का सबब है।

जानकारी के मुताबिक तमिलनाडु में इसके सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए है। ये देश के नौ राज्यों में सामने आ चुका है। जानकारी के मतुबाक भारत में 23 अक्तूबर तक XBB वेरिएंट के 380 से अधिक मामले सामने आ चुके है। सबसे अधिक मामले तमिलनाडु में सामने आए है। यहां 175 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 103 मामले दर्ज हुए है।

इन राज्यों में दस्तक दे चुका है सबवेरिएंट

भारत में ओमिक्रॉन के सब वेरिएंट XBB का पहला मामला पश्चिम बंगाल में देखने को मिला था। इसके अलावा ओडिशा (35), दिल्ली (18), पुडुचेरी (16), कर्नाटक (9), गुजरात (2), राजस्थान (1) में ओमिक्रॉन के सब वेरिएंट XBB के मामले दर्ज हो चुके है। देश में अबतक कुल 380 मामले इसके हो गए है। इस वेरिएंट के बढ़ते मामलों के कारण अन्य राज्यों में भी अलर्ट घोषित क दिया है। बता दें कि इस वेरिएंट का पहला मामला सिंगापुर में देखने को मिला था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जता चुका है चिंता

विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से भी इस वेरिएंट को लेकर चिंता जाहिर की जा चुकी है। संगठन की चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन ने कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ये वेरिएंट इतना घातक है कि इम्यून सिस्टम को चकमा दे सकता है। इससे कोई भी व्यक्ति आसानी से शिकार हो सकता है। इस वेरिएंट के कारण कई देशों में नई लहर आने की भी संभावना है। कोरोना वायरस के 300 से अधिक सब वेरिएंट सामने आ चुके है। ये वेरिएंट काफी घातक है।

ये वेरिएंट इम्यून सिस्टम को धोखा दे सकता है। उन्होंने कहा कि ये घातक वेरिएंट है, मगर इससे पहले भी कई खतरनाक वेरिएंट सामने आ चुके है। ये ऐसा वेरिएंट है जो वैक्सीनेशन के बाद शरीर में बनी एंटीबॉडीज पर भी हावी हो सकता है। ये वेरिएंट कोरोना की नई लहर लाने में सक्षम है।

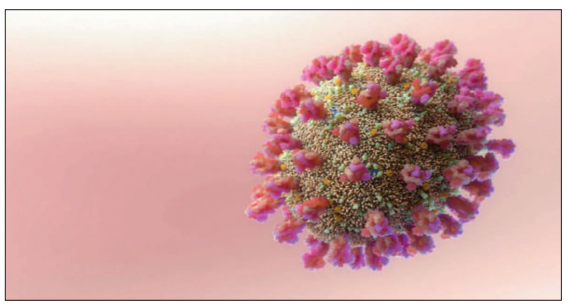

भारत में दर्ज हुए इतने मामले

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 1,326 नए मामले सामने आने से देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,46,53,592 पर पहुंच गई है, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 17,912 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से आठ और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,29,024 हो गई है।

फिलीपीन में भीषण तूफान में करीब 100 लोगों की मौत, कई लोग अब भी लापता

मनीला।। फिलीपीन में इस साल के सबसे भीषण तूफान में करीब 100 लोगों की जान चली गई, जबकि कई लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जान गंवाने वाले 98 लोगों में से कम से कम 53 लोगों की जान बाढ़ व भूस्खलन के कारण हुई घटनाओं में गई। ये लोग बैंगसमोरो स्वायत्त क्षेत्र के मैगुइन्डानाओ के थे। तूफान से द्वीपसमूह के एक बड़े हिस्से में तबाही मच गई थी हालांकि रविवार को वह देश के बाहर दक्षिण चीन सागर में पहुंच गया। सरकार की प्रमुख आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी के अनुसार, 69 लोग घायल हैं और कम से कम 63 अन्य लापता हैं। तूफान से करीब 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिसमें 9,12,000 से अधिक ग्रामीण शामिल थे। ये लोग अभी आश्रय स्थलों या अपने रिश्तेदारों के घरों में रह रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ के पानी से 4,100 से अधिक मकान और 16,260 हेक्टेयर (40,180 एकड़) धान और अन्य फसलें क्षतिग्रस्त हो गईं।

8 चीनी सैन्य विमानों, 3 नौसैनिक जहाजों ने ताइवान की सीमा में की घुसपैठ

ताइपे । ताइवान ने अपने देश की सीमा पर 8 चीनी सैन्य विमानों, 3 नौसैनिक जहाजों को ट्रैक किया है। ताइवान ने पीएलए के विमानों और जहाजों की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाज भेजे और जमीन पर आधारित मिसाइल ट्रैकिंग प्रणालियों का इस्तेमाल किया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को शाम 5 बजे तक ताइवान के आसपास 8 चीनी सैन्य विमानों और 3 नौसैनिक जहाजों को ट्रैक करने की सूचना दी है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के आठ विमानों में से एक सुखोई एसयू-30 लड़ाकू जेट ने देश के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) के पूर्वोत्तर क्षेत्र में ताइवान जलडमरूमध्य मध्य रेखा को पार किया। इसके जवाब में ताइवान ने रेडियो से चेतावनी जारी करने के अलावा पीएलए के विमानों और जहाजों की निगरानी के लिए लड़ाकू गश्ती विमान, नौसैनिक जहाजों और भूमि-आधारित मिसाइल ट्रैकिंग प्रणालियों का इस्तेमाल किया। गौरतलब है कि बीजिंग ने अक्टूबर में अब तक ताइवान की सीमा के आसपास 420 चीनी सैन्य विमान और 100 नौसैनिक जहाज भेजे हैं। सितंबर 2020 से चीन ने ताइवान के्ष्द्धं में नियमित रूप से विमान भेजकर ग्रे जोन रणनीति का उपयोग बढ़ा दिया है। ग्रे जोन रणनीति को किसी देश की स्थिर सीमा के बार-बार उल्लंघन की कोशिशों की श्रृंखला के रूप देखा जाता है। इसका उपयोग सीधे ताकत और बड़े पैमाने पर सैनिक शक्ति के उपयोग के बिना कुछ विशेष सुरक्षा उद्देश्यों को हासिल करने की कोशिश होता है। गौरतलब है कि चीन बार-बार ये दावा करता है कि ताइवान कोई देश नहीं है बल्कि वह उसका एक हिस्सा है। हाल ही में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के हर पांच साल पर होने वाले सम्मेलन में एक बार फिर ये दोहराया गया कि ताइवान को चीन में शामिल करने के लिए ताकत का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

चीन की 26 मंजिला इमारत में रहेंगे 6.5 लाख सुअर, एक बार में निकलेगा 1 लाख टन मीट

बीजिंग । चीन की एक 26 मंजिला इमारत इन दिनों सुर्खियों में है। एक वीडियो सामने आया है जिसमें देखा जा सकता है कि इस बिल्डिंग का प्रयोग एक विशालकाय पिग फार्म के रूप में किया जा रहा है। चीन सरकार का दावा है कि इमारत, जिसे 'पिग पैलेस' कहा जाता है, को इस माह की शुरुआत में खोला गया था और इसमें 6,50,000 जानवरों को रखा जा सकता है। हुबेई प्रांत के एझोउ में खोली गई अजीबोगरीब इमारत कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए स्थानीय अधिकारियों की ओर से शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसकी लागत करीब 500 मिलियन पाउंड है। इस फार्म में दो इमारतें शामिल हैं, प्रत्येक 26 मंजिल की है। प्रोजेक्ट के प्रमोटरों का कहना है कि लगभग 25,000 जानवरों को प्रत्येक मंजिल पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जब यह पूरी तरह से शुरू हो जाएगा तो फार्म एक बार में 1,00,000 टन मीट प्रोसेस करने में सक्षम होगा। इस 'मॉर्डन' पिग फार्म, जो देशभर में मौजूद कई फार्म में से एक है, को कथित तौर पर चीन में पोर्क की मांग में वृद्धि के बीच शुरू किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बड़े फार्म का निर्माण सुअरों की संख्या बढ़ाने का एक तरीका है जिसे हाल के सालों में अफ्रीकन स्वाइन फीवर ने कम कर दिया है। इस ऑटोमैटेड फार्म पर चीन के एनिमल लवर्स की अलग-अलग राय है, जहां सुअरों को फैक्ट्रियों जैसे हालात में रखा जाएगा। स्थानीय हुबेई टीवी के साथ एक इंटरव्यू में साइट मैनेजर जुगे वेंडा ने बताया कि वेस्ट वॉटर का ट्रीटमेंट साइट पर ही किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमारा बायोसिक्योरिटी कंट्रोल सिस्टम मीट की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है। चीन में सुअर के अलावा कई जानवरों का मांस खाया जाता है। यहां कुत्ते, बिल्ली जैसे पालतू जानवरों को भी लोग खा जाते हैं। ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल का अनुमान है कि चीन में हर साल 1 से 2 करोड़ कुत्ते मारे जाते हैं। यहां एक व्यस्क कुत्ता सूप या स्टू में पकाने के लिए 100 पाउंड (करीब 10 हजार रुपए) में बेचा जाता है।

मंगलवार तक ट्विटर में और कर्मचारियों की होगी छंटनी, एलन मस्क ने मांगी कर्मचारियों की सूची

सैन फ्रांसिस्को । ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने आते ही कंपनी में बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू कर दी है। मस्क ने कंपनी के सीईओ पराग अग्रवाल, पॉलिसी हेड विजया गाड्डे समेत टॉप एक्जीक्यूटिव्स को टेकओवर करते ही बाहर कर दिया है। ताजा आदेश में एलन मस्क ने बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी शुरू कर दी है। कुछ मैनेजर्स से उन कर्मचरियों की लिस्ट मांगी गई है, जिन्हें नौकरी से निकालना है। मस्क किसी एक विभाग में नहीं, पूरे ट्विटर का स्टाफ कम करना चाहते हैं। कुछ टीमों का साइज खासा कम किया जाएगा। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि कितने कर्मचारियों को निकालने की तैयारी है। ट्विटर में करीब 7,500 कर्मचारी काम करते हैं। पिछले दिनों खबरें थीं कि एलन मस्क ट्विटर के 75 फीसदी स्टाफ की छंटनी करना चाहते हैं। मंगलवार तक बहुत सारे कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। अप्रैल में मस्क ने ट्विटर खरीदने का मन बनाया था। तभी से छंटनी की खबरें आ रही हैं। माना जा रहा है कि मंगलवार 1 नवंबर से पहले बहुत सारे कर्मचारियों को निकाला जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मंगलवार वह दिन है जब ट्विटर के कर्मचारियों को कंपनसेशन के रूप में स्टॉक ग्रांट्स मिलने वाली हैं। अगर 1 नवंबर से पहले कर्मचारी निकाले जाते हैं तो शायद मस्क को यह ग्रांट्स नहीं देनी पड़ेगी। मस्क ने इनवेस्टर्स को बताया था कि वह ट्विटर को प्राइवेट बनाएंगे, इसकी वर्कफोर्स कम करेंगे और कंटेंट मॉडरेशन के नियमों को रोलबैक करेंगे। कंपनी की कमाई के नए रास्ते भी तलाशे जाएंगे। मस्क ने कंटेंट मॉडरेशन काउंसिल का गठन करने की घोषणा की है। मस्क के अनुसार, यह काउंसिल कंटेंट मॉडरेशन से जुड़े फैसले लेगी और काउंसिल की समीक्षा के बाद बंद हो चुके ट्विटर अकाउंट्स को दोबारा बहाल करने का फैसला लिया जाएगा। इसके गठन से पहले तक कोई भी बड़ा फैसला या बंद हो चुके खातों को दोबारा बहाल नहीं किया जाएगा। खबर है कि एलन मस्क के ट्विटर का अधिग्रहण करने के बाद जनरल मोटर्स ने ट्विटर पर अपने विज्ञापनों पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि जनरल मोटर्स टेस्ला की प्रतियोगी कंपनी है।

मोरबी पुल हादसा: रूस के राष्ट्रपति ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की

मास्को। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने गुजरात के मोरबी शहर में मच्छु नदी पर बने केबल पुल हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। राजधानी गांधीनगर से करीब 300 किलोमीटर दूर स्थित मोरबी में मच्छु नदी पर बना यह पुल एक सदी से भी अधिक समय पुराना है। मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य के बाद इसे आम जन के लिए पांच दिन पहले ही खोला गया था। पुल रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे टूट गया। इस हादसे में अब तक 134 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सोमवार को क्रेमलिन वेबसाइट पर प्रकाशित एक संदेश में, पुतिन ने कहा, ''माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, कृपया गुजरात राज्य में दुखद पुल हादसे के प्रति मेरी संवेदना स्वीकार करें।'' रूस की एक समाचार एजेंसी 'टीएएसएस' के मुताबिक, पुतिन ने हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ितों के प्रियजनों और दोस्तों के प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्ति किया और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। राज्य सरकार ने इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजन को चार-चार लाख रुपए और घायलों को पचास-पचास हजार रुपए का मुआवजा दिए जाने की घोषणा की है।

सियोल में हैलोइन समारोह के दौरान हादसे में मारे गये लोगों को याद करते हुए लोग।

नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप आपस में टकरा रही दो आकाश गंगाओं की खींची तस्वीर

वॉशिंगटन । अंतरिक्ष में गृहों के द्वंद्व को लेकर अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा लगातार नजर बनाए रखती है। अब नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने नई कौतुलहल भरी तस्वीर खींची है। ये तस्वीर बेहद खास है। इस तस्वीर में दो आकाशगंगा है जो आपस में टकरा रही हैं। इससे तूफानी रफ्तार से नए तारों का निर्माण हो रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस टक्कर के केंद्र में एक सुपर मैसिव ब्लैक होल बन सकता है। ये टक्कर 27 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर है। वैज्ञानिक दो आकाशगंगाओं की टक्कर देख सकते हैं, लेकिन ये पता नहीं है कि किस आकाश गंगा की शुरुआत कहां हो रही है और वह कहां खत्म हो रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जहां ये टक्कर हो रही है, वहां अगर हम पहुंचेगें तो पाएंगे कि सिर्फ गर्मी है और माहौल जंग की तरह है। इस आकाश गंगा के विलय को नासा ने आईसी 1623 नाम दिया है। दोनों आकाश गंगा एक दूसरे के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव में फंसी हुई हैं। दोनों के स्पाइरल आपस में मिल रहे हैं और एक समान केंद्र की ओर बढ़ रहे हैं। अंत में ये आकाशगंगा एक बड़ी आकाशगंगा का निर्माण करेगी। आस-पास के यूनिवर्स में बड़ी और जटिल सर्पिल आकाशगंगाएं शायद इसी तरह की टक्कर से बनी होंगी। जेम्स वेब ने इन्फ्रारेड टेक्नोलॉजी के जरिए इस तस्वीर को बनाया है। वैज्ञानिकों ने कहा कि टेलीस्कोप की क्षमता को परखने के लिए ये सबसे अच्छा आधार रहा है। दो गैलेक्सी के मिलन को खगोलविद लंबे समय से देख रहे हैं। हबल समेत अन्य टेलीस्कोप ने पहले इसकी फोटो खींची थी।

कोविड-19 टीकाकरण के बाद जम सकते हैं खून के थक्के ?

-ताजा अध्ययन के बाद दी गई चेतावनी

लंदन (एजेंसी)।

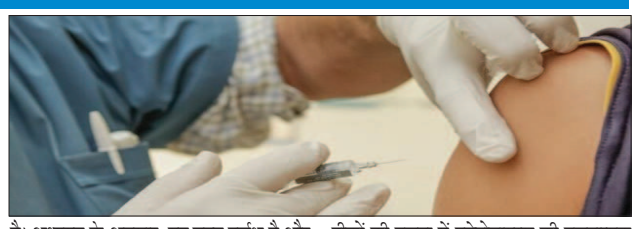

एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण के बाद खून के थक्के बनने के बेहद दुर्लभ मामले संबंधी खतरे के बारे में आगाह किया है। ताजा अध्ययन में फाइजर-बायोएनटेक टीके की तुलना में जैनसेन/जॉनसन एंड जॉनसन टीके के बाद बढ़े हुए जोखिम की ओर भी ध्यान दिलाया गया है।

पांच यूरोपीय देशों और अमेरिका के स्वास्थ्य डेटा पर आधारित अध्ययन में ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका टीके की पहली खुराक लेने के बाद थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम के साथ थ्रोम्बोसिस के बढ़े खतरे का जिक्र किया गया है। शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि सिंड्रोम बहुत दुर्लभ है, लेकिन कहा कि देखे गए जोखिमों पर %आगे टीकाकरण अभियानों और भविष्य के टीके के विकास की योजना बनाते समय विचार किया जाना चाहिए।% टीटीएस तब होता है जब किसी व्यक्ति में रक्त के थक्के के साथ-साथ कम रक्त प्लेटलेट काउंट (थ्रोम्बोसाइटोपेनिया) होता है। अध्ययन के अनुसार, यह बहुत दुर्लभ है और खून के थक्के बनने की सामान्य स्थितियों जैसे डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) या फेफड़ों के थक्के से अलग है। टीटीएस को वर्तमान में एडेनोवायरस-आधारित कोविड टीकों के दुर्लभ दुष्प्रभाव के रूप में जांचा जा रहा है, जो कोरोना वायरस के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बढ़ाने के लिए एक कमजोर वायरस का उपयोग करते हैं, लेकिन अध्ययन के अनुसार विभिन्न प्रकार के टीकों की तुलनात्मक सुरक्षा पर कोई स्पष्ट सबूत मौजूद नहीं है।

अध्ययन के लेखकों ने कहा 'हमारे ज्ञान के लिए, यह एमआरएनए आधारित कोविड-19 टीकों की तुलना में एडेनोवायरस की तुलनात्मक सुरक्षा का पहला बहुराष्ट्रीय विश्लेषण है।' उन्होंने चेताया कि हालांकि ये घटनाएं बहुत दुर्लभ हैं, लेकिन दुनिया भर में बड़ी संख्या में टीके की खुराक के कारण प्रभावित रोगियों की संख्या काफी हो सकती है।इस बारे में जानकारी के लिए शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने एमआरएनए-आधारित कोविड टीकों के साथ एडेनोवायरस-आधारित कोविड टीकों के उपयोग से जुड़े टीटीएस या थ्रोम्बोम्बोलिक के मामले के जोखिम की तुलना करने के लिए निर्धारित किया।

आतंकवाद के खात्मा में भारत सबसे महत्वपूर्ण पार्टनर, यूएन में अमेरिकी की पाक को नसीहत, चीन की खिंचाई

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

आतंकवाद एक ऐसा विषय है जिसके खिलाफ अमेरिका और भारत के बीच पहले से ही काफी गहरा सहयोग चल रहा है। संयुक्त राष्ट्र में सुधार के जरिये आतंकियों और आतंकी संगठनों की गतिविधियों पर किस तरह से रोक लगाई जाए, इसको लेकर दोनों देशों के बीच लगातार सहयोग हो रहा है। अमेरिका ने 2008 के मुंबई हमलों के पाकिस्तान स्थित अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के बारे में भारत की चिंताओं को साझा किया। अमेरिका ने कहा कि ÷शर्मनाक÷ है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आतंकवादियों को प्रतिबंधित करने के लिए नई दिल्ली और वाशिंगटन के प्रयासों को अवरुद्ध किया जा रहा है।

अमेरिका के लिए आतंकवाद का खात्मा एक बड़ा मुद्दा है और इस क्षेत्र में भारत सिर्फ एशिया में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में उसका सबसे महत्वपूर्ण पार्टनर है। लू ने सीधे तौर पर नाम तो नहीं लिया लेकिन उनका इशारा साफ तौर पर चीन पर था जिसने यूएनएससी में भारत और अमेरिका की तरफ से पाक में शरण पाए कुछ खूंखार आंतकियों को प्रतिबंधित करने के संयुक्त प्रस्ताव को वीटो ला कर गिरा दिया है। जिन पाक समर्थित आतंकियों को चीन ने बचाया है उसमें वर्ष 2008 के आतंकी हमले के प्रमुख साजिशकर्ता साजिद मीर और लश्कर-ए-तैयबा का अब्दुल मक्की भी है।

चीन ने अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के लिए दूसरे लैब मॉड्यूल का प्रक्षेपण किया

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के लिए लैब मॉड्यूल 'मेंग्शन' का सोमवार को प्रक्षेपण किया। चीन के सबसे बड़े रॉकेट में शामिल लांग मार्च-5बी वाई4 द्वारा दक्षिणी द्वीपीय प्रांत हैनान के तटीय क्षेत्र पर स्थित वेनचांग अंतरिक्षयान प्रक्षेपण स्थल से इसे अंतरिक्ष में भेजा गया। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार चीन के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के दूसरे लैब घटक के रूप में मेंग्शन मॉड्यूल में वैज्ञानिक उपकरणों का इस्तेमाल सूक्ष्म गुरुत्व का अध्ययन करने और द्रव भौतिकी, पदार्थ विज्ञान और मौलिक भौतिकी आदि में प्रयोग करने में किया जाएगा।

इससे पहले भेजी गयी वेंशन प्रयोगशाला में जीवविज्ञान और अंतरिक्ष जीवन विज्ञान पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया था। मेंग्शन हाइड्रोजन क्लॉक, रूबीडियम क्लॉक और एक ऑप्टिकल क्लॉक को मिलाकर बनी शीत आणविक क्लॉक के दुनिया के पहले अंतरिक्ष स्थित सेट को भी लेकर रवाना हुई है। सरकारी ग्लोबल टाइम्स ने हाल में बताया था कि चीन की विज्ञान अकादमी के तहत कार्यरत यूटिलाइजेशन डेवलपमेंट सेंटर ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग सेंटर फॉर स्पेस यूटिलाइजेशन के निदेशक झांग वेई ने कहा, ''अगर शीत आणविक क्लॉक सफल रहती हैं तो यह अंतरिक्ष में सबसे सटीक समय बताएंगी जिसमें करोड़ों वर्ष में एक भी सैकंड इधर-उधर नहीं होगा।'' चीन इस समय अपने अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण कर रहा है और चीन के एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉर्पोरेशन (सीएएसटीसी) की एक घोषणा के अनुसार इसका निर्माण इस साल पूरा होने की उम्मीद है। इसका निर्माण पूरा होने के बाद चीन एकमात्र ऐसा देश होगा जिसका कोई अंतरिक्ष स्टेशन होगा।

50.8 फीसदी मत हासिल कर लूला डा सिल्वा बने ब्राजील के नए राष्ट्रपति, बोल्सोनारो मामूली अंतर से हारे

साओ पाउलो (एजेंसी)।

ब्राजील में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में वामपंथी 'वर्कर्स पार्टी' के लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने निवर्तमान राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो को हरा दिया है। निर्वाचन प्राधिकरण के मुताबिक, आम चुनाव में पड़े कुल मतों में से 98.8 प्रतिशत मतों की गिनती के अनुसार, लूला डा सिल्वा को 50.8 फीसदी और बोलसोनारो को 49.2 फीसदी मत मिले हैं।

उल्लेखनीय है कि लूला डा सिल्वा 2003 से 2010 के दौरान ब्राजील के राष्ट्रपति रह चुके हैं। लूला डा सिल्वा (77) को 2018 में भ्रष्टाचार के मामले में कैद की सज़ा सुनाई गई थी, जिस वजह से उन्हें उस साल चुनाव में दरकिनार कर दिया गया था। इस कारण, तत्कालीन उम्मीदवार बोलसोनारो की जीत का मार्ग प्रशस्त हुआ था।

इस साल के चुनाव ने 156 मिलियन से अधिक लोगों को वोट डालने की अनुमति थी। 76 वर्षीय लूला ने बोल्सोनारो को पद से हटाने के अभियान पर ध्यान केंद्रित किया और अपने पूरे अभियान में अपनी पिछली उपलब्धियों को गिनाया। उनके अभियान में एक नई कर व्यवस्था का वादा था, जो उच्च सार्वजनिक खर्च की अनुमति देगा। इसके साथ ही उन्होंने ब्राजील से भुखमरी खत्म करने का संकल्प लिया, जो बोल्सोनारो सरकार के दौरान एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी थी। 67 वर्षीय बोल्सोनारो कंजर्वेटिव लिबरल पार्टी के तहत फिर से चुनावी दौड़ में थे। उन्होंने खनन बढ़ाने, सार्वजनिक कंपनियों का निजीकरण करने और ऊर्जा की कीमतों को कम करने के मुद्दे पर अपना अभियान केंद्रित किया था।

उल्लेखनीय है कि लूला भी विवादों से बचे नहीं हैं। उन्हें 2017 में सरकारी तेल कंपनी पेट्रोब्रास में व्यापक ऑपरेशन कार वॉश जांच से उपजे आरोपों पर भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए दोषी ठहराया गया था, लेकिन दो साल से कम समय की सजा के बाद सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने मार्च 2021 में लूला की सजा को रद्द कर दिया जिससे उनका छठी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया।

रूस ने यूक्रेन के प्रमुख शहरों के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर ताबड़तोड़ हमले किए

कीव।(एजेंसी)।

रूस ने यूक्रेन में कीव, खारकीव और अन्य प्रमुख शहरों के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को निशाना बनाकर सोमवार को सुबह ताबड़तोड़ हमले किए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, इन हमलों के कारण यूक्रेन के इन शहरों में पानी और बिजली की आपूर्ति बाधित हुई है। रूस के इन हमलों को यूक्रेन द्वारा कथित तौर पर इस सप्ताहांत काला सागर में रूसी बेड़े पर किए गए ड्रोन हमले को लेकर जवाबी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

यूक्रेन ने इन हमलों के आरोपों से इनकार किया है। यूक्रेन की राजधानी कीव के कई हिस्सों में तड़के धमाकों की तेज आवाजें सुनी गयीं। सुबह-सुबह अपने काम पर जाने की तैयारी कर रहे कई लोगों को आपातकालीन विभाग की ओर से मिसाइल हमलों के बारे में चेतावनी वाले संदेश मिले। शहर में इस दौरान करीब तीन घंटे तक हवाई हमलों के खतरे के सायरन बजते रहे। कीव के मेयर वितोली कलितस्चको ने बताया कि हमलों के कारण यूक्रेन की राजधानी के एक हिस्से में बिजली व पानी की आपूर्ति ठप है। उन्होंने कहा कि कीव में रहने वाले करीब 80 प्रतिशत लोगों को पानी की आपूर्ति बाधित हुई है। लोगों को निकटतम पंप रूम और बिक्री केंद्रों से पानी खरीद कर भंडारण करने के लिए कहा गया है। कलितस्चको ने कहा कि शहर के करीब साढ़े तीन लाख घरों में बिजली की आपूर्ति करने वाले संयंत्र को ठीक करने के लिए स्थानीय अधिकारी जुटे हुए हैं। उन्होंने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि कीव के कुछ इलाकों में तीन से चार घंटों के भीतर पानी की आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।यूक्रेन के प्रति समर्थन जताने के लिए चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फिआला, विदेश, रक्षा और आंतरिक मंत्रियों सहित उनकी सरकार के कई शीर्ष अधिकारियों के कीव पहुंचने से ठीक पहले यह हमले हुए। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि लड़ाई के दौरान रूस द्वारा आम नागरिकों को निशाना बनाकर ऐसे मिसाइल हमले करने का कोई औचित्य नहीं है।

उन्होंने ट्वीट किया, ''इन हमलों को प्रतिक्रिया कहकर उचित न ठहराएं। रूस ऐसा इसलिए करता है क्योंकि उसके पास अभी भी मिसाइलें हैं और वह यूक्रेन के लोगों को मारने की इच्छाशक्ति रखता है।÷ कीव के उत्तर में बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया गया है। नीपर नदी के बाएं किनारे वाले इलाके से धुआं उठ रहा था। इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि उसने चार जोरदार धमाकों की आवाज सुनी जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सेरही ने कहा, ''पहले तो मुझे लगा कि मैंने एक जेट विमान को गुजरते हुए सुना है, लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि यह एक मिसाइल थी।'' सेरही ने अपना पूरा नाम बताने से इनकार कर दिया।

अधिकारियों ने जापोरिज्जिया में भी हमलों की वजह से बिजली आपूर्ति ठप होने की आशंका जताई है। कीव के दक्षिण-पूर्व में चर्कासी क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर भी हमले किए गए। यूक्रेन के अन्य क्षेत्रों में भी विस्फोट होने की सूचना मिली थी। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार मध्य यूक्रेन के किरोवोह्रद क्षेत्र में भी बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। क्षेत्रीय गवर्नर सेरही बोरज़ोव के अनुसार विन्नित्सिया में एक रूसी मिसाइल को मार गिराया गया। यह मिसाइल रिहायशी इलाकों पर गिरी, जिसके परिणामस्वरूप इमारतों को क्षति हुई लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। यूक्रेनी रेलवे के कुछ हिस्सों को भी बिजली की आपूर्ति बाधित हुई।

सोमवार के हमलों पर टिप्पणी करते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने कहा कि रूसी सेना

'नागरिक सुविधाओं को निशाना बनाकर हमले कर रही है और लड़ाई जारी रख रही है। हम मजबूती के साथ डटे रहेंगे और रूस की आने वाली पीढ़ियों को इन हमलों की कीमत चुकानी होगी।' यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि 50 से अधिक क्रूज मिसाइलों को कैस्पियन सागर के उत्तर से और रोस्तोव क्षेत्र में रूसी शहर वोल्गोडोंस्क के आसपास के क्षेत्र से टीयू-95/टीयू-160 मिसाइल ले जाने वाले युद्धक विमान से दागा गया था। उनमें से कुल 44 मिसाइलों को मार गिराया गया था। रूसी सेना ने अभी तक इन हमलों को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

संपादकीय

कांग्रेस और भाजपा सरकारों ने छोटे-मोटे कुछ कदम इस दिशा में जरूर उठाए थे लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पहले मेरा सोच यह था कि यदि वे प्रधानमंत्री बन गए तो वे जरूर यह क्रांतिकारी काम कर डालेंगे लेकिन यह तभी हो सकता है जबकि हमारे नेता नौकरशाहों की गिरफ्त से बाहर निकलें।

भारत विश्व-शक्ति कैसे बने?

लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत की सरकारों से मेरी शिकायत प्रायः यह रहती है कि वे शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम क्यों नहीं उठाती हैं? अभी तक आजाद भारत में एक भी सरकार ऐसी नहीं आई है, जिसने यह बुनियादी पहल की हो। कांग्रेस और भाजपा सरकारों ने छोटे-मोटे कुछ कदम इस दिशा में जरूर उठाए थे लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पहले मेरा सोच यह था कि यदि वे प्रधानमंत्री बन गए तो वे जरूर यह क्रांतिकारी काम कर डालेंगे लेकिन यह तभी हो सकता है जबकि हमारे नेता नौकरशाहों की गिरफ्त से बाहर निकलें। फिर भी 2018 से सरकार ने जो आयुष्मान बीमा योजना चालू की है, उससे देश के करोड़ों गरीब लोगों को राहत मिल रही है। यह योजना सराहनीय है लेकिन यह मूलतः राहत की राजनीति है याने मतदाताओं को तुरंत तात्कालिक लाभ दो और बदले में उनसे वोट लो। इसमें कोई बुराई नहीं है लेकिन इस देश का स्वास्थ्य मूल रूप से सुधरे, इसकी कोई तदबीर आज तक सामने नहीं आई है। फिर भी इस योजना से देश के लगभग 40-45 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। वे अपना 5 लाख रू. तक का इलाज मुफ्त करवा सकेंगे। उनके इलाज का पैसा सरकार देगी। अभी तक देश में लगभग 3 करोड़ 60 लाख लोग इस योजना के तहत अपना मुफ्त इलाज करवा चुके हैं। उन पर सरकार ने अब तक 45 हजार करोड़ रु. से ज्यादा खर्च किया है। देश की कुछ राज्य सरकारों ने भी राहत की इस रणनीति को अपना लिया है लेकिन क्या भारत के 140 करोड़ लोगों की स्वास्थ्य-रक्षा और चिकित्सा की भी योजना कोई सरकार लाएगी? इसी प्रकार भारत में जब तक प्रांरभिक से लेकर उच्चतम शिक्षा भारतीय भाषाओं के जरिए नहीं होती है, भारत की गिनती पिछड़े हुए देशों में ही होती रहेगी। जब तक यह मैकाले प्रणाली की गुलामी का ढर्रा भारत में चलता रहेगा, भारत से प्रतिभापलायन होता रहेगा। अंग्रेजीदाँ भारतीय युवजन भागकर विदेशों में नौकरियाँ ढूंढेंगे और अपनी सारी प्रतिभा उन देशों पर लुटा देंगे। भारतमाता टूंगती रह जाएगी। इसका अर्थ यह नहीं कि हमारे बच्चे विदेशी भाषाएं न पढ़ें। उन्हें सुविधा हो कि वे अंग्रेजी के साथ कई अन्य प्रमुख विदेशी भाषाएं भी जरूर पढ़ें लेकिन उनकी पढ़ाई का माध्यम कोई विदेशी भाषा न हो। सारे भारत में किसी भी विदेशी भाषा को पढ़ाई का माध्यम बनाने पर कड़ा प्रतिबंध होना चाहिए। कौन करेगा, यह काम? यह काम वही संसद, वही सरकार और वही प्रधानमंत्री कर सकते हैं, जिनके पास राष्ट्रोन्नति का मौलिक सोच हो और नौकरशाहों की नौकरी न करते हों। जिस दिन यह सोच पैदा होगा, उसी दिन से भारत विश्व-शक्ति बनना शुरु हो जाएगा।

सूक्ति

दूब की तरह छोटे बनकर रहो। जब घास-पात जल जाते हैं तब भी दूब जस की तस बनी रहती है। - गुरु नानक

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है। - रविन्द्रनाथ टैगोर

लॉफिंग ज़ोन

एक बार यमराज वकीलों से बहुत कुपित हो गए. उन्होंने वकीलों को सबक सिखाने का फैसला किया. एक बार एक दुकानदार, एक डाक्टर और एक वकील एक साथ उनके पास पहुंचे. यमराज ने कहा कि स्वर्ग में प्रवेश देने से पहले उन तीनों को मेरे एक सवाल का जवाब देना होगा. सबसे पहले दुकानदार की बारी आई. उससे पूछा कि उस जहाज का नाम क्या था, जो बर्फ की चट्टान से टकरा गया था और जिस पर हाल ही में एक फिल्म बनाई गई. दुकानदार ने कहा, 'टाइटैनिक.' उसे भीतर जाने दिया गया. अब डाक्टर से पूछा गया कि इस दुर्घटना में कितने लोग मरे थे. डाक्टर ने कहा,'लगभग डेढ़ हजार.' डाक्टर को भी प्रवेरश दे दिया गया. अब वकील का नंबर आया. यमराज ने कहा कि तुम करने वालों का नाम बताओं.

☺ ☺ ☺

टीचर(मनु से),'शब्द मूसलाधार को किसी वाक्य में प्रयोग करो.'

मनु,'सर मुझे जब मूसलाधार का ही अर्थ नहीं मालूम तो मैं इसे वाक्य में कैसे प्रयोग करूंगा.'

टीचर,'मूसलाधार का अर्थ होता है बहुत तेजी के साथ, अब इसका वाक्य बनाओ.'

मनु,'कल स्कूल से छुट्टी होते ही मैं घर की तरफ मूसलाधार दौड़ा.'

☺ ☺ ☺

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच भारत की अहमियत

पुष्परंजन

रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई शोइगु से उनके समकक्ष राजनाथ सिंह सितंबर, 2020 में मास्को में मिले थे। तब चीन के साथ सीमा पर तनातनी थी। कालचक्र देखिये कैसे घूमता है। 26 अक्तूबर, 2022 को जनरल सर्गेई ने फोन पर राजनाथ सिंह से अपनी समस्या के लिए बात की। उनकी चिंता यूक्रेन में तथाकथित डर्टी बम को लेकर है। जनरल सर्गेई ने ऐसी ही बातें चीन के प्रतिरक्षा मंत्री वेई फेंघी से भी की हैं। भारत-चीन के दोनों समकक्षों से सर्गेई ने यदि अपनी चिंताएं साझा की हैं, तो इसके रणनीतिक मायने हैं। रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई के साथ-साथ सेना प्रमुख वलेरी गेरासिमोव ने भी पश्चिमी देशों में अपने समर्थक सेनाध्यक्षों को फोन करके कहा, कि यूक्रेन विनाशकारी डर्टी बम के निर्माण में लगा है। इसके बरअक्स यूक्रेन के विदेशमंत्री दिमित्रो कुलेबा ने विएना स्थित अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अधिकरण (आईएईए) को पत्र लिखकर जांचकर्ताओं को तत्काल भेजने की मांग की है। 'आईएईए' के डीजी, राफाएल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे एक्सपर्ट जल्द यूक्रेन जाएंगे। डर्टी बम का डर कभी इराक में पैदा किया गया था। वह मुल्क सद्दाम हुसैन सहित तबाह हो गया। वही डर इस समय यूक्रेन में है। भारत ने 25 अक्तूबर, 2022 को एक बार फ़िर एडवाइज़री जारी की है कि यूक्रेन में जो बचे-खुचे भारतीय हैं, वो तत्काल देश छोड़ दें। डर्टी बम को परमाणु बमों की तुलना में बनाना आसान और काफी सस्ता है। इसे 'रेडियोलॉजिक डिस्पर्सन डिवाइस' भी कहते हैं। मारक मामले में ये बहुत सटीक नहीं होते। मगर इससे एक सीमित इलाके में जान-माल का नुकसान तो होता ही है। डर्टी बमों में डायनामाइट जैसे पारंपरिक विस्फोटक का प्रयोग होता है। इन्हें रेडियोधर्मी पदार्थ के साथ पैक किया जाता है। धमाके के जोर से रेडियोधर्मी पदार्थ वातावरण में फैलते हैं। वही रेडियोधर्मी पदार्थ की मात्रा इसे घातक बनाती है। अब तक दुनिया में किसी हिस्से में डर्टी बम के विस्फोट का रिकॉर्ड नहीं है। मगर, 1998 में चेचेन्या में एक रेल लाइन के पास इस तरह के धमाके की कोशिश नकाम की गई थी। 2002 में शिकागो के पास एक अमेरिकी नागरिक खोसे पेडिला को डर्टी बम की तैयारी के शक में पकड़ा गया था। उसके संबंध अल क़ायदा से बताये गये थे। खोसे पेडिला को 21 साल की जेल हुई थी। तीसरा था सद्दाम हुसैन, जिस पर यूएस इंटेलिजेंस ने शक किया था कि उसने अपने एटमी वैज्ञानिकों को डर्टी बम बनाने के आदेश दिये थे। इन तीनों घटनाओं के अलावा कुछ ऐसा नहीं मिलता। इस समय यूक्रेन के चार एटमी प्लांट्स में 15 रिएक्टर संचालित हैं। 'आईएईए' से जांचकर्ताओं की टीम खेमलनिस्की, रिव्ने, यूज़नूयूक्रेंस, ज़ापोरिझिया न्यूक्लियर प्लांट में से कहां जाती है, अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। सात माह पहले, 30 मार्च, 2022 को मास्को ने दावा किया था कि यूक्रेन में ख़तरनाक वायरस स्टोर किए गए हैं, जिसे रूस के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है। तब कहा गया था कि अमेरिका के पास 30 देशों में 336 जैविक अनुसंधान लैब हैं, जिनमें 26 प्रयोगशालाएं यूक्रेन में हैं। मास्को ने संदेह व्यक्त किया था कि अमेरिका की मदद से यूक्रेन इन लैब्स के ज़रिए रूस पर जैविक हथियारों से हमला कर सकता है। इस बार भी रूस ने ऐसे किसी लैब का नाम नहीं लिया, इससे 'आईएईए' के जांचकर्ताओं में कन्फ्यूज़न बढ़ सकती है। अब सवाल यह है कि क्या यही सब बताने के वास्ते रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई ने फोन किया था, या कोई और एजेंडा है? यह बात समझ में आती है कि समरकंद एससीओ बैठक में प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन मामले में जो नसीहत प्रेसिडेंट पुतिन को दे आये थे, उसके हवाले से भारत को रणभूमि की वस्तुस्थिति से अवगत कराना रूसी सत्ता प्रतिष्ठान आवश्यक समझता है। भारत इस समय शंघाई कॉपरेशन आर्गेनाइजेशन (एससीओ) का अध्यक्ष देश है, अगले साल इसकी शिखर बैठक भी यहां होनी है। शायद ये वजहें हैं कि पुतिन भारत को भरोसे में लेना ज़रूरी समझते हों। लेकिन इससे अलग जो सैन्य साज़ो-सामान भारत, रूस से मंगा रहा है, उसकी पेमेंट की दिक्क़तें भी दरपेश होने लगी हैं। 2023 तक रूस को एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की सभी पांच रेजिमेंट्स की डिलीवरी भारत को कर देनी है। इस वास्ते 200 विशेषज्ञों की एडवांस ट्रेनिंग भी रूस में हो चुकी है। इसके एवज में 5.5 अरब डॉलर का पेमेंट भारत किस रूप में रूस को कर पायेगा? संभवतः बातचीत के एजेंडे में यह भी शामिल हो। जून, 2022 तक भारत-रूस का व्यापार 11 अरब डॉलर को पार कर चुका था। लक्ष्य यह है कि 2025 आते-आते उभयपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर को छू जाए। मार्च, 2021 में सिपरी की रिपोर्ट थी कि भारत, रूस से 49 प्रतिशत, फ्रांस से 18 फीसद, और इस्राइल से 13 प्रतिशत सैन्य साजो-सामान का आयात करता है। मगर, समस्या भुगतान की है। डॉलर के इस संकटकाल में चीन ने क्रास करेंसी का मार्ग चुना है। 'क्रास करेंसी' डॉलर के बदले दूसरे देशों की मुद्राओं को पेमेंट मोड में लाने की कवायद है। चीनी सेंट्रल बैंक ने विकल्प दिया है कि दुनिया के देश चाहें तो हमसे युआन लेकर व्यापार करें। यों, 2021 में भारतीय रिज़र्व बैंक ने क्रास करेंसी के रूप में युआन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। जुलाई, 2022 के पहले हफ्ते खबर आई कि भारत की एक सीमेंट निर्माता कंपनी को रूस से कोयले की खेप मंगाने के वास्ते चीनी मुद्रा 'युआन' में पेमेंट करना पड़ा था। वजह ग्राज़प्रोमबैंक और यूको बैंक के वोस्त्रो अकाउंट्स में हो रही बाधाएं हैं। अब भारत सरकार को स्पष्ट करना है कि रूस समेत दूसरे देशों से आयात के वास्ते पेमेंट में रनमिनपी (युआन) का हम कितना इस्तेमाल कर रहे हैं? रूसी रक्षा मंत्री क्या चीन और भारत के बीच कोआर्डिनेशन की कोशिश में हैं? कई सारे सवाल हैं। संभवतः रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई शोइगु अपने समकक्ष राजनाथ सिंह से इसलिए संवाद कर रहे हों, ताकि भारत-चीन रिश्तों में भरोसे का जो भूस्खलन हुआ है, उसे दुरुस्त किया जा सके। रूस इन दिनों चीन, अफ़ग़ानिस्तान, सेंट्रल एशियाई देशों, ईरान-पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब की नई धुरी तैयार करने की कवायद में है। भारत को कैसे अपने आईने में उतारें, इसकी चिंता से मास्को मुक्त नहीं है। यूक्रेन के सवाल पर भारत, संयुक्त राष्ट्र से लेकर समरकंद तक अपनी तटस्थता जाहिर कर चुका है। यह तटस्थता ही भारत की ताक़त बन चुकी है, वरना जनरल सर्गेई शोइगु को यह बताने की ज़रूरत नहीं थी कि मास्को डर्टी बम से डर रहा है।

। डर्टी बम को परमाणु बमों की तुलना में बनाना आसान और काफी सस्ता है। इसे 'रेडियोलॉजिक डिस्पर्सन डिवाइस' भी कहते हैं। मारक मामले में ये बहुत सटीक नहीं होते। मगर इससे एक सीमित इलाके में जान-माल का नुकसान तो होता ही है। डर्टी बमों में डायनामाइट जैसे पारंपरिक विस्फोटक का प्रयोग होता है। इन्हें रेडियोधर्मी पदार्थ के साथ पैक किया जाता है। धमाके के जोर से रेडियोधर्मी पदार्थ वातावरण में फैलते हैं। वही रेडियोधर्मी पदार्थ की मात्रा इसे घातक बनाती है।

स्वर्णिम मध्यप्रदेश: सपना नहीं अब हकीकत

(लेखक - निलय श्रीवास्तव/1 नवम्बर को मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस)

मध्यप्रदेश देश का हृदय स्थल है। विभिन्न धर्म, सम्प्रदाय, कला- संस्कृति का समागम यहाँ देखने को मिलता है। दूसरे राज्यों के लोगों को मध्यप्रदेश भाता है यही वजह है कि देश के अन्य प्रांतों के लोगों का अक्सर यहाँ आना जाना बना रहता है। पुरातत्व स्थलों की एक झलक पाने तो कहीं धार्मिक स्थलों का महत्व जानने, उन्हें देखने के लिए सैलानियों का बड़ी संख्या में यहाँ आवागमन होता है। अभी कुछ दिन पूर्व ही उज्जैन के महाकाल मंदिर को नया स्वरूप मिला है। महाकाल लोक के इस नये स्वरूप से मध्यप्रदेश की पहचान एक बार फिर देशभर में स्थापित हुयी है। महाकाल लोक जैसे ही दर्शनार्थियों के लिए खोला गया, दूसरे राज्यों से यहाँ तक कि विदेशों से भी सैलानियों को बड़ी संख्या में महाकाल लोक के दर्शन लाभ लेते देखा गया। मध्यप्रदेश में ऐसे अनेक धार्मिक तथा पुरातात्विक स्थल हैं जहाँ आर्कषक साज-सज्जा तथा नये सिरे से पुनरोद्धार कर उन्हें एक नया स्वरूप प्रदान किया जा सकता है। इस दिशा में मध्यप्रदेश सरकार बेहतर प्रबंधन कर आवश्यक संसाधन जुटा सकती है। सौभाग्य की बात है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान धर्म प्रेमी तथा कला- संस्कृति के उपासक हैं, इसलिए इस काम को वे गति दे सकते हैं। यहाँ बता दें कि महाकाल लोक की ही तरह अन्य धार्मिक स्थलों के संरक्षण और रखरखाव को यदि प्रमुखता देकर उनका पुनरोद्धार कराया जाये तो मध्यप्रदेश आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या जैसे- जैसे बढ़ेगी, मध्यप्रदेश के राजस्व में वृद्धि होने के साथ- साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। इतिहास साक्षी है, अमरकंटक से निकलकर खंभात की खाड़ी तक अविरल प्रवाह में बहने वाली जीवन दायिनी नर्मदा नदी यहाँ है तो विश्व प्रसिद्ध खजुराहों के कलात्मक मंदिर। विश्व प्रसिद्ध खजुराहों एक ऐसा स्थल है जो विदेशी पर्यटकों में निरंतर लोकप्रिय है, खजुराहों के कलात्मक मंदिर तथा सांची के स्मारक अपने गौरवशाली अतीत को दर्शाते हुए विश्वभर में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं । इनके रखरखाव तथा संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के कारण यहाँ आने वाले विदेशी पर्यटकों को कोई असुविधा नहीं होती तथा वे इन्हें देखकर रोमांचित होते हैं। इनके अलावा ओरछा के मंदिर, प्रदेश के तीन देवी शक्तिपीठ और ऐतिहासिक प्राचीन स्थल भी यहाँ हैं जिन्हें देखकर अहसास होता है कि पूर्वकाल में मानव एक-दूसरे के धर्मों के समावेश में विश्वास रखता था। इन बेशकीमती स्थलों का संरक्षण और रखरखाव निरन्तर बना रहना चाहिये ताकि मध्यप्रदेश में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या बढना प्रदेश के लिये गौरव की बात होगी। मध्यप्रदेश सरकार इन पुरातात्विक तथा धार्मिक स्थलों के संरक्षण का दायित्व पूरी निष्ठा के साथ निभा रही है। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चैहान स्वयं समय- समय पर इन वैभवशाली स्थलों का निरीक्षण करते हैं। सुखद समाचार है कि कुछ महत्वपूर्ण स्थलों का नये सिरे से पुनरोद्धार कर उन्हें नया स्वरूप देने की कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है। इस तरह विकास की ऊँचाईयों का नित् नया स्पर्श कर मध्यप्रदेश ने देश के अन्य राज्यों के समक्ष नजीर पेश की है। कहने में अतिश्योक्ति नहीं कि यहाँ की योजनाओं, कला-संस्कृति तथा विभिन्न कार्यक्रमों को लोगों ने सराहा है। पिछले डेढ़ दशक के दौरान न सिर्फ यहाँ की कला संस्कृति को अभिनव पहचान मिली बल्कि देश के बाहर से भी लोगों ने आवागमन शुरू किया। कोई उद्योग लगाना चाहता है तो कोई शिक्षा के क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाना चाहता है। प्रदेश के वह गांव जहाँ कोई जाना नहीं चाहता था, आज वहाँ हर व्यक्ति पढ़ा-लिखा तथा अपने अधिकारों के प्रति पूरी तरह जागरूक दिखाई देता है। यह किसी भी प्रदेश के लिये निश्चित रूप से गौरव की बात है। इस तरह दिखावे और प्रतिस्पर्धा से दूर मध्यप्रदेश विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर विकास की नित् नयी ऊँचाईयों को स्पर्श कर रहा है। व्यापारिक दृष्टि से भी मध्यप्रदेश में संभावना तलाश की जाती हैं। विगत् ढाई वर्ष के दौरान कोरोनाकाल में हुए आर्थिक नुकसान की भरपायी तेजी से हो रही है। अब प्रदेश वापस उसी दौर में लौट रहा है। एक नवम्बर को मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन हर प्रदेशवासी को यह संकल्प लेना होगा कि उसे प्रदेश के विकास में अपना योगदान सुनिश्चित करना है। इस खुशहाल तथा शांत प्रदेश को यदि देश के मानचित्र में विकासशील राज्य के रूप में पहचान दिलाना है तो सभी को बदले की भावना से की जा रही राजनीति को त्यागकर तथा सत्ता का मोह छोडकर सिर्फ प्रदेश के हित के बारे में सोचना होगा। सबको मिलकर तथा सबको साथ लेकर ही जनकल्याणकारी कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना होगी तभी प्रदेश खुशहाल तथा विकासशील होगा। मध्यप्रदेश एक विशाल राज्य है और यहाँ के रहवासी शिक्षित एवं बुद्धिजीवी वर्ग से ताल्लुक रखते हैं इसलिये उम्मीद की जा सकती है कि वह विकास में अपना सहयोग देंगे। वह दिन दूर नहीं जब प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में तरक्की सुनिश्चित होगी जिसका लाभ सभी को मिलेगा। स्थापना दिवस पर हर व्यक्ति यह भी संकल्प ले कि हम मध्यप्रदेश में विकास का ऐसा इतिहास लिखेंगे जिसमें नौजवानों के पास काम होगा, किसानों के पास दाम होगा और महिलाओं का सम्मान होगा। याद रखना होगा कि सामाजिक द्वेष आपसी मतभेद और धार्मिक उन्माद को भुलाकर ही हम स्वर्णिम मध्यप्रदेश की अवधारणा को पूरा कर सकेंगे।

(चिंतन-मनन)

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूर्ताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है। हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

ठंडे मौसम का गर्म फैशन

“ विंटर में आप मोनोक्रोम ड्रेसेस (सिंगल कलर की ड्रेस) या मिक्स एण्ड मैच दोनों तरह की ड्रेसिंग स्टाइल को ट्राय कर सकते हैं। मिनी स्कर्ट के साथ लैगिंग्स का कॉम्बिनेशन लुक में लाजवाब होता है। लैगिंग्स के फेब्रिक में चैंज चाहने वाले फैशन प्रेमी ऊनी लैगिंग्स भी ट्राय कर सकते हैं।

ठंड ने न केवल दस्तक दे दी है बल्कि यह अपना असर भी दिखाने लगी है। फैशन के लिहाज से यह मौसम युवाओं के लिए अनुकूल होता है। और इसमें में भी यदि बात वूलन फैशन की हो तो क्या कहने। लेदर के साथ ही युवाओं में वूलन के प्रति क्रेज बना हुआ है। प्रस्तुत हैं वूलन फैशन को लेकर कुछ उपयोगी जानकारियां:-

वूलन में देखिए फील गुड फैक्टर

➤वूलन बहुत ही ड्यूरेबल होते हैं। इनमें इतने कलर्स और डिफरंट पैटर्न की डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें ट्राई कर आप अपना एक बहुत ही सॉफ्ट, हॉट और स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट बना सकते हैं। चाहे मफलर हो, स्वेटर हो या फिर कैप ही क्यों न हो ये खूबसूरत लगते हैं।

इसलिए अपने रंग के अनुसार कलर चुनें और अपनी सुविधा का सबसे ज्यादा खयाल रखें। यानी फैशन का अंधानुकरण न करें। जो आप पर फबे, जचे और सुविधाजनक लगे वही फैशन अपनाएं।

➤ आप स्वेटर खरीदें या मफलर ये जरूर देख लें कि फेब्रिक की कम्पोजिशन क्या है। लेबल देखें। सही साइज देखें और सुनिश्चित कर लें कि यह आपके लिए सूटेबल है।

➤ यह ध्यान से देखें कि आप जो खरीद रहे हैं वह वेल मेड है कि नहीं। टॉप स्टीचिंग इवन होने चाहिए। लाइनिंग में पिकरिंग न हो। और किसी भी तरह का कोई लूज थ्रेड न हो। इन बातों का खास खयाल रखें।

➤आप जिस फेब्रिक को खरीद रहें, क्या वह पहनने और चलने के बाद नाइसली फ्लो हो रहा है? क्या फेब्रिक का वेट आपको ठीक लग रहा है?

➤ ध्यान रखें कि आपने जो भी चीज खरीदी है वह आपकी बॉडी अगेंस्ट फील गुड करा रही है या नहीं। वह चुभने वाली या गड़ने वाली न हो।

स्कर्ट के साथ शार्ट जैकेट की बजाय थ्री फोर्थ या लांग जैकेट पहनें। लांग जैकेट को आप साड़ी सूट, शर्ट आदि के साथ भी पहन सकते हैं। शॉल की बजाय स्टोल लुक व उपयोग दोनों के लिहाज से बेहतर माने जाते हैं।

इस सीजन में दो डिफरेंट रंगों के कॉम्बिनेशन को ट्राय करें। अर्दी शेड वाली ड्रेस पर ब्राइट कलर का फंकी जैकेट या स्कार्फ ट्राय करें।

एक्सपर्ट व्यू

विंटर में जंपर्स का कोई विकल्प नहीं है। कूल और कंफर्टेबल जंपर्स को आप कोट के साथ भी पहन सकते हैं। ब्लैक कोट का फैशन इस बार भी विंटर में इन रहेगा। ब्लैक कोट के साथ आप ऑरेंज, रेड और ग्रीन कलर का स्कार्फ या मफलर ट्राय कर ट्रेंडी लुक पा सकते हैं। फेब्रिक में शिमर के साथ ही मैटल और प्लास्टिक शाइन वाले फेब्रिक्स को ट्राय किया जा सकता है। पोल्का डॉट्स, अलग-अलग नेक पैटर्न्स वाले फर और फेदर के जैकेट, एनिमल प्रिंट्स आदि की डिमांड इस सीजन में खूब रहेगी।

इक बंगला बने न्यारा...

नए घर का निर्माण, वास्तु के अनुसार

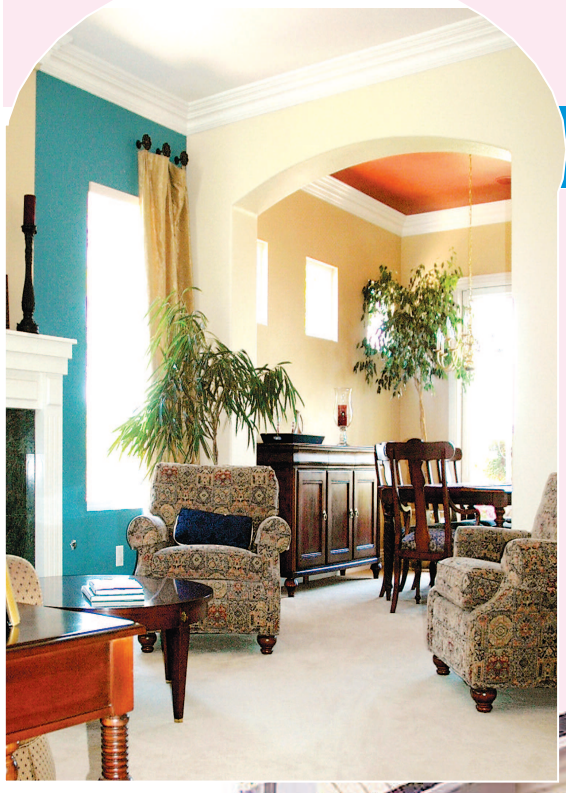

➤ भूखंड पर किसी भी प्रकार का जल संसाधन लगवाना हो तो इसके लिए सदैव (हैण्डपम्प, कुंआ, जेटपम्प आदि के लिए) उत्तर-पूर्व दिशा अर्थात ईशान कोण ही सही रहता है।
➤ भवन में खिड़कियां तथा रोशनदानों के निर्माण का प्रमुख उद्देश्य घर में शुद्ध वायु का आगमन है।
➤ खिड़कियां तथा रोशन दानों का निर्माण सदैव दरवाजे के पास ही करें।
➤ दरवाजे के सामने या बराबर में खिड़कियां होने से चुंबकीय चक्र पूर्ण हो जाता है, जिससे भवन में सुख-शांति का वास होता है।
➤ खिड़की तथा रोशनदानों के निर्माण के लिए पूर्व, पश्चिम तथा उत्तर दिशा श्रेष्ठ एक शुभ फलदायक होती है।
➤ वायु प्रदूषण से बचाव के लिए घरों में शुद्ध वायु जिन दिशाओं से प्रवेश करे उनके विपरीत दिशाओं में एक्जॉस्ट फैन लगवाएं।
➤ भवन के उस भाग में जहां दो दीवारें मिलती हैं, खिड़कियां तथा रोशनदानों का निर्माण वहां न करवाएं। यह अशुभकारी निर्माण होता है।
➤ जब कोई व्यक्ति मुख्यद्वार में प्रवेश करता है तो मुख्य द्वार से निकलने वाली चुम्बकीय तरंगें उसकी बुद्धि को प्रभावित करती हैं।
➤ द्वार का भी सही दिशा में बनवाना आवश्यक है।
➤ प्रवेश द्वार सदैव अंदर की ओर खुलना चाहिए।
➤ प्रवेश द्वार दो पल्लों में हो तो बहुत ही उत्तम है।
➤ द्वार स्वतः ही खुलना व बंद होना नहीं चाहिए।

जायकेदार बादाम-पिस्ते का हलवा

समग्रीः- 100 ग्राम बादाम गिरी, 100 ग्राम पिस्ता, 150 ग्राम सूखी मलाई, 125 ग्राम मावा, 300 ग्राम शक्कर, 3-4 केसर लच्छे, हरी इलायची पावडर आधा चम्मच, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 125 ग्राम देशी घी।

विधिः- सर्वप्रथम मावे को दबा कर छलनी से मोटा-मोटा छान लें और मलाई की पतली स्ट्रिप्स काट लें। हलवा बनाने से 6-8 घंटे पूर्व बादाम पानी में भिगो दें।

तत्पश्चात बादाम के छिलके उतार कर मिक्सी में पीस लें। अब पिस्ता भी रवेदार पीस लें। कड़ाही में घी गरम कर बादाम को पानी सूख जाने तक भूनें। फिर पिस्ता डालकर तब तक सेकें, जब तक सिंकने की खुशबू न आए। अब इसमें मावा मिलाएं और थोड़ी देर और सेंक लें। मलाई डालकर 5 मिनट सेंकें। जब सिंकने की खुशबू आने लगे तब आंच से उतारें और केसर-इलायची व गुलाब जल मिला दें। शक्कर की 2 तार की चाशनी बना लें, इसमें मिश्रण डालें और गरमा-गरम मेवे का हलवा पेश करें।

पौष्टिक बादाम मिल्क

सामग्रीः- एक लीटर गाढ़ा दूध, 25 भीगे हुए बादाम, 100 चम्मच चीनी, आधा चम्मच इलायची पावडर, केसर कुछेक लच्छे।

विधिः- रात को भिगोए हुए बादाम का छिलका निकाल कर उसे मिक्सी में महीन पीस लें। एक कटोरी में थोड़ी मात्रा में दूध लेकर उसमें केसर भिगो दें। दूध को थोड़ी देर तक उबालें, फिर उसमें बादाम का पेस्ट मिलाइए। दूध को धीरे-धीरे हिलाते रहें ताकि वो तले पर चिपके नहीं। बादामयुक्त दूध को 20-25 मिनट तक पकाएं, फिर शक्कर डालें और थोडी देर तक पकाएं। अब इलायची और केसर घोल मिलाएं। गिलासों में भरकर बादाम का पौष्टिक दूध पेश करें। प्रचुर मात्रा में आयरन और कैल्शियम वाला यह दूध आपके शरीर के लिए फायदेमंद है।

स्विफ्ट जल्द ही कार की नई जनरेशन करेगी लॉन्च

-साल के अंत में किया जा सकता ग्लोबल डेब्यू

नई दिल्ली । जानी-मानी कंपनी मारुति सुजुकी अपनी स्विफ्ट कार की नई जनरेशन लॉन्च करने जा रही है। चालू साल के आखिर तक स्विफ्ट की नई जनरेशन का ग्लोबल डेब्यू किया जा सकता है। इस मॉडल को कई बार यूरोप में टेस्ट ड्राइव के दौरान स्पॉट किया गया है। हालांकि इस मॉडल को लेकर चर्चा है कि इसमें केवल कॉस्मैटिक बदलाव किए जाएंगे। इंजन को लेकर कंपनी ज्यादा बदलाव करने नहीं जा रही है।गौरतलब है कि स्विफ्ट की थर्ड जनरेशन को 2018 में लॉन्च कया गया था। इसके बाद से ही कंपनी ने इसमें कोई बदलाव नहीं किया था। लेकिन अब स्विफ्ट को बिल्कुल नए लुक में पेश करने के लिए कंपनी तैयार है। माना जा रहा है कि लॉन्च के कुछ समय बाद ही इस गाड़ी को बाजार में बिक्री के लिए भी उतार दिया जाएगा। नई जनरेशन के एक्स्टीरियर और इंटीरियर में कई अपडेट देखने को मिलेंगे।इसके साथ ही टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम होगा जो अपनी क्लास में बेहतरीन रहेगा। डैशबोर्ड के डिजाइन को भी बदला जाएगा, साथ ही सेंटर कंसोल के साथ ही इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में भी बदलाव देखने को मिलेंगे। कार में नए इंटीग्रेटेड एलईडी डीआरएलएस के साथ शार्प हेडलैंप, अपडेटेड बोनट, नई ग्रिल सेक्शन, अपडेटेड फ्रंट और रियर बंपर, नई फॉग लैंप हाउजिंग और नए डिजाइन के अलॉय व्हील मिलेंगे। वहीं इंटीरियर की बात की जाए तो कार में एप्पल कारप्ले और एंड्रायड ऑटो कनेक्टिविटी।

योट्टा इंफ्रा डेटा सेंटर कारोबार में 39,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नोएडा । योट्टा इंफ्रास्ट्रक्चर यूपी में अगले 5-7 वर्षों के दौरान डेटा सेंटर कारोबार में 39,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। हीरानंदानी समूह की फर्म ने इसबारे में यूपी सरकार के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। योट्टा इंफ्रास्ट्रक्चर के सह-संस्थापक और चेयरमैन दर्शन हीरानंदानी ने योट्टा डी1 डेटा सेंटर की शुरुआत के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि यह निवेश डेटा सेंटर परिसर के निर्माण, आईटी उपकरणों और अन्य हार्डवेयर को खरीदने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस परिसर में और इसके आसपास 39,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। पहली इमारत पहले ही बन चुकी है... हमने दो अन्य भवनों के लिए काम शुरू कर दिया है, जो 12-15 महीनों में पूरा होगा। हम प्रत्येक 18 महीने में एक भवन तैयार करने वाले हैं। उक्त निवेश प्रतिबद्धता में योट्टा डी1 के लिए किया गया निवेश शामिल है। योट्टा इंफ्रास्ट्रक्चर के सह-संस्थापक और सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा, 'प्रत्येक डेटा सेंटर पर 6,500 करोड़ रुपये खर्च होगा। निवेश प्रतिबद्धता छह डेटा सेंटर के लिए है। हमने पहले ही डी2 और डी3 के लिए काम शुरू कर दिया है, जो 12-15 महीनों में तैयार हो जाएगा।' कंपनी ने ग्रेटर नोएडा स्थित अपने डेटा सेंटर पार्क में लगभग 1,500 करोड़ रुपये के निवेश के साथ योट्टा डी1 की स्थापना की है। इसके अलावा अगले दो डेटा सेंटर भवनों - योट्टा डी2 और डी3 का शिलान्यास किया गया है। कंपनी योट्टा डी1 में आईटी उपकरणों के लिए 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगी।

YOTTA

बाजार में तेजी जारी

सेंसेक्स 787 अंक उछलकर 60,746 पर पंहुचा

मुंबई: (एजेंसी)

वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से निवेश आने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में भी तेजी का सिलसिला जारी रहा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 786.74 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की जोरदार बढ़त के साथ 60,746.59 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 826.85 अंक तक उछल गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का मानक सूचकांक निफ्टी भी 225.40 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की बढ़त लेकर 18,012.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ डॉ रेड्डीज, एनटीपीसी और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में रहा जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट शुक्रवार को खासी बढ़त के साथ बंद हुए थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 95.47 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने शुक्रवार को 1,568.75 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे।

सऊदी अरब और यूएई ने तेल उत्पादन में कटौती के फैसले का बचाव किया

अबू धाबी ।

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओपेक और उसके सहयोगियों द्वारा तेल उत्पादन में कटौती के फैसले का बचाव किया। एक अमेरिकी दूत द्वारा दुनिया के सामने 'आर्थिक अनिश्चितता' की चेतावनी देने के बीच इन देशों ने तेल उत्पादन में कटौती का समर्थन किया। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री अब्दुलअजीज बिन सलमान ने अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में इस बारे में संकेत किया। गौरतलब है कि आगामी संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन मिस्र और यूएई में आयोजित होगा। सलमान ने कहा, हमने ऐसा किसी और के लिए नहीं, बल्कि अपने लिये किया। यूएई के ऊर्जा मंत्री सुहैल अल-मजरूई ने कहा कि जरूरत पड़ने पर ओपेक और उसके सहयोगी देश उत्पादन बढ़ाने के लिए तैयार हैं। हालांकि उत्पादन कब तक बढ़ाया जाएगा, इस बारे में उन्होंने कुछ नहीं कहा। उन्होंने कटौती के फैसले का बचाव किया। ऊर्जा मामलों के लिए अमेरिकी दूत अमोस होचस्टीन ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम विश्व स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता की दहलीज पर खड़े हैं।'

अगले साल अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर आईएमएफ के अनुमान से बेहतर रहेगी : नागेश्वरन

नयी दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि पूंजी निर्माण गतिविधियां बढ़ने से अगले साल देश की आर्थिक वृद्धि दर अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के अनुमान से कहीं अधिक रहने की उम्मीद है। हाल ही में आईएमएफ ने 2023 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। आईएमएफ ने कहा था कि चालू साल में भारत की वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहेगी। नागेश्वरन ने इस संदर्भ में कहा कि उन्हें आने वाले वर्षों में वृद्धि दर इस अनुमान से कहीं अधिक रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि एक दशक तक सुस्त रहने के बाद भारत का पूंजी निर्माण चक्र आगे बेहतर प्रदर्शन करेगा।'' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के सार्वजनिक डिजिटल ढांचे ने संभवतः एक विचलन बिंदु को पार कर लिया है और यह देश की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने के साथ ही उच्च वृद्धि में भी योगदान देगा। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में छह प्रतिशत के बुनियादी आंकड़े में 0.5-0.8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। नागेश्वरन ने कहा कि राजकोषीय नीति और मौद्रिक नीति में आमतौर पर एक-दूसरे से तालमेल होता है और दोनों एक-दूसरे को संतुलित करने का भी काम करती हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ऋण के उच्च अनुपात की स्थिति पर मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि इसे टिकाऊ रख पाना चिंता का विषय नहीं है और परिसंपत्ति मौद्रीकरण के साथ इसमें कमी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत परिसंपत्ति मौद्रीकरण से हासिल राशि का इस्तेमाल अपने कर्ज के बोझ को कम करने में कर सकता है जिससे देश की क्रेडिट रेटिंग भी बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि यह सबसे अच्छा राजकोषीय प्रोत्साहन होगा।

सामान बेचकर पीछे नहीं हट सकेंगी कंपनियां! ग्राहकों को देनी ही होगी प्रोडक्ट की सर्विस

(एजेंसी):

अब कंपनियां सामाना बेचकर अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकेंगी। कंपनियों को अपने बेचे गए प्रोडक्ट की सर्विस कस्टमर को देनी ही होगी। कंपनी भले ही बाद में उस प्रोडक्ट को बनाना बंद कर दे। सरकार अब इसके लिए नया नियम लाने की तैयारी कर रही है। सरकार ने घरेलू उपकरण बनाने वाली 23 कंपनियों को इस संबंध में एक पत्र भी लिखा है। इससे सामान खरीदने के बाद लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। अभी तक कई कंपनियां प्रोडक्ट बेचने के बाद कई बार ग्राहकों को सर्विस नहीं उपलब्ध कराती हैं। वहीं अगर कंपनी किसी प्रोडक्ट को बनाना बंद कर दे तो ग्राहक को बाद में उसकी रिपेयरिंग कराने के लिए सामान भी नहीं मिल पाता है लेकिन अब ग्राहकों को जल्द ही ऐसी समस्या से छुटकारा मिलने वाला है।

राइट टू रिपेयर होम एप्लायंस

घरेलू उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के ग्राहकों के अधिकारों की रक्षा के लिए, केंद्र ने शीर्ष उपभोक्ता फर्मों को पत्र लिखा है। सरकार ने इन फर्मों से अपने प्रोडक्ट की रिपेयर पॉलिसी की जानकारी साझा करने के लिए कहा है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, सरकार के केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने इस मुद्दे पर एलजी, सैमसंग, हैवेल्स, फिलिप्स, सोनी, ब्लूस्टार, पैनासोनिक समेत अन्य कंपनियों से संपर्क किया है।

कंपनियों को लिखा पत्र

सरकार ने एलजी, सैमसंग, हैवेल्स, फिलिप्स, सोनी और ब्लूस्टार समेत 23 घरेलू उपकरण कंपनियों को पत्र भेजा है। सरकार ने कंपनियों से उनकी रिपेयर पॉलिसी की जानकारी देने के साथ रिपेयरिंग में लगने वाले रुपये के बारे में भी बताने को कहा है। सरकार की तैयारी है कि ऐसा नियम बनाया जाए जिससे लोगों को कंपनी से खरीदे गए सामान पर हमेशा सर्विस मिल सके।

लोगों को नहीं होगी परेशानी

सरकार की इस तैयारी से लोगों को काफी फायदा मिलेगा। इससे लोगों को कंपनी से खरीदे गए प्रोडक्ट पर हमेशा सर्विस मिल सकेगी। अगर प्रोडक्ट मार्केट में आना बंद भी हो जाए तो भी उसकी सर्विस लोगों को मिलेगी। कंपनी प्रोडक्ट बनाना बंद भी कर दे तो भी कंपनी को उस प्रोडक्ट को रिपेयर करना पड़ेगा।

अक्टूबर में केवल नौ दिन हुआ काम, नवंबर के महीने में 10 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली।

अक्टूबर में बैंक कर्मचारियों को भरपूर छुट्टियां मिलीं थी। उन्हें महीने में बस 9 दिन ही ऑफिस जाना पड़ा था। बैंक कर्मियों को इसकी तुलना में नवंबर में बैंकों में ज्यादा दिन तक काम करना होगा। अगले माह नवंबर में केवल 10 ही बैंक अवकाश होंगे। बैंकों में छुट्टियों का निर्धारण भारतीय रिजर्व बैंक करता है। हर कैलेंडर वर्ष के लिए केंद्रीय बैंक छुट्टियों की लिस्ट तैयार करता है। यहां यह जान लेना जरूरी है कि अगले माह नवंबर 2022 में, पूरे देश में 10 दिन बैंक बंद नहीं रहेंगे। छुट्टियों की जो लिस्ट आरबीआई ने जारी की है, इसमें से कई अवकाश राष्ट्रीय हैं। उस दिन पूरे देश में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं, कुछ अवकाश स्थानीय या क्षेत्रीय स्तर के हैं। उन दिनों में केवल उससे जुड़े राज्यों में ही बैंक शाखाएं बंद होंगी। बैंकों में अवकाश वाले दिन भी ऑनलाइन बैंकिंग सर्विसेज चालू रहती हैं। इससे ग्राहकों को बहुत फायदा होता है। क्योंकि, आजकल पैसा ट्रांसफर करने सहित बहुत से बैंकिंग काम ऑनलाइन होने से बैंक खुलने का इंतजार नहीं करना पड़ता। लेकिन, अब भी कुछ काम ऐसे हैं, जो बैंक ब्रांच जाकर ही होते हैं। इसलिए हर बैंक ग्राहक को बैंकों के अवकाश के बारे में जानकारी होनी चाहिए, ताकि अगर उसे कोई जरूरी बैंकिंग काम हो तो वह छुट्टी वाले दिन से पहले ही उसे निपटा सके।

नवंबर में पड़ने वाले बैंक हॉलिडे

- 1 नवंबर-कन्नड़ राज्योत्सव और कुट के कारण बेंगलूरु और इंफाल में बैंकों की छुट्टी रहेगी।
- 6 नवंबर-रविवार की वजह से बैंक बंद रहेंगे।
- 8 नवंबर-गुरुनानक जयंती, कार्तिक पूर्णिमा, रहास पूर्णिमा और वांगला फेस्टिवल मनाया जाएगा, जिसकी वजह से बैंक बंद रहेंगे।
- 11 नवंबर-वांग्ला फेस्टिवल और कनकदासा जयंती की वजह से बेंगलूरु और शिलांग में बैंक बंद रहेंगे।
- 12 नवंबर-महीने का दूसरा शनिवार होने की वजह से बैंक बंद रहेंगे।
- 13 नवंबर-रविवार की वजह से छुट्टी है।
- 20 नवंबर-रविवार का साप्ताहिक अवकाश है।
- 23 नवंबर-सेंग कुत्सनेम पर्व पर शिलांग में बैंकों की छुट्टियां रहेंगी।
- 26 नवंबर-महीने का चौथा शनिवार होने के कारण भी बैंक बंद रहेंगे।
- 27 नवंबर-रविवार है और इसलिए इस दिन बैंकों में काम नहीं होगा।

एशियाई ओर अमेरिकी बाजारों में उछाल

टोक्यो। एशियाई ओर अमेरिकी बाजारों में तेजी का माहौल है। एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ खुले सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज में एक फीसदी की बड़ी बढ़त दर्ज की गयी जबकि जापान का निक्केई 1.25 फीसदी की बढ़त पर कामकाज कर रहा था। ताइवान के शेयर बाजार में 0.57 फीसदी और दक्षिण कोरिया में 0.41 फीसदी की बढ़त आई है। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व की एक और बैठक से पहले अमेरिकी बाजार में उत्साह रहा। बढ़ती महंगाई को देखते हुए फेड ने अभी तक ब्याज दरों में अच्छी खासी बढ़ोतरी की है। निवेशकों ने पिछले कारोबारी सत्र में खरीदारी की और अमेरिका के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज में शामिल नेसडेक में 2.87 फीसदी का उछाल आया। इसके अलावा यूरोपीय बाजारों में भी उत्साह का माहौल है। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजार में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 0.24 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ था, जबकि फ्रांस का शेयर बाजार 0.46 फीसदी उछलकर बंद हुआ।

रोल्स रॉयस ने अरबपति की डिमांड पर बनाई कस्टमाइज्ड कार

- कार देखने में है बहुत ही आकर्षक और बेहतरीन

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

कुछ लोगों का सपना रोल्स रॉयस कार खरीदने का होता है। लोग इस गाड़ी को स्टाइलिश और आकर्षक बनाने के लिए लोग इसमें अपने हिसाब से बदलाव करवाते हैं। एक अरबपति की डिमांड को देखते हुए रोल्स रॉयस कंपनी ने एक कार बनाई है। यह कस्टमाइज कार देखने में बहुत ही आकर्षक और बेहतरीन है। इंटीरियर लुक में वे ये अन्य कारों को पीछे कर देती है। इसमें एक खास किस्म की लकड़ी का इस्तेमाल हुआ है जिसे कोआ लकड़ी कहते हैं। रोल्स रॉयस कंपनी ने जिस मशहूर अरबपति के लिए कार बनाई है उनका नाम जैक बॉयड स्मिथ जूनियर है। जैक बॉयड स्मिथ जूनियर लग्जरी कारों के शौकीन हैं। उनके पास बहुत सारी महंगी गाड़ियों की कलेक्शन उपलब्ध है। अरबपति लोगों में जैक बॉयड स्मिथ जूनियर की गिनती होती है। कस्टमाइज कार को बनाने के बाद कंपनी ने इसे सबसे लेटेस्ट क्रिएशन कोआ फैंटम एक्सटेंडेड बताया है। इसे बनवाने के लिए उन्होंने खुद कंपनी से कार में बदलाव करने के लिए कहा था। रोल्स रॉयस कंपनी ने जैक के लिए जो लग्जरी कार बनाई है उसमें एक बहुत ही खास किस्म की लकड़ी का इस्तेमाल हुआ है जिसे कोआ लकड़ी कहा जाता है। उन्होंने कार डिजाइन करवाते समय इसमें इस खास लकड़ी का इस्तेमाल करने के लिए कहा था।रोल्स रॉयस कंपनी ने जैक के लिए जो कार बनाई है उसकी कीमत 3 करोड़ 89 लाख रुपये है। कंपनी ने कार बनाने के लिए डैशबोर्ड में भी कोआ लकड़ी का इस्तेमाल किया है। जैक इस कार को बनने के बाद चलाने के लिए बहुत उत्साहित थे। इसकी स्टीयरिंग व्हील और पिकनिक टेबल आकर्षक बनाने के लिए इसमें कई अनोखी और खास चीजों का इस्तेमाल किया गया है। कार के पीछे बूट स्पेस दी गई है। इसमें सामान रखने के साथ ही गाना सुनने के लिए स्पीकर लगाए गए हैं। अंदर की तरफ एक शैम्पेन फ्रिज दिया गया है। कोआ लकड़ी इसलिए खास है क्योंकि यह सिर्फ हवाई द्वीप पर ही पाई जाती है। कार डिलीवरी होने के बाद मीडिया से बातचीत करने के दौरान उन्होंने बताया था कि इस लकड़ी से उनके परिवार का जुड़ाव है। सिर्फ इतना ही नहीं उन्होंने इस लकड़ी को अपने परिवार का हिस्सा तक बताया था।

चारों महानगरों में तेल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

घरेलू बाजार में सोमवार को चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी तेल की कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं हालांकि उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल की कीमत36 पैसे बढ़ी है ओर ये 97.00 रुपये और डीजल 32 पैसे बढ़कर 90.14 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। इसके अलावा लखनऊ में भी पेट्रोल के भाव में मामूली 1 पैसे की बढ़ोतरी हुई और यह 96.58 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। डीजल 1 पैसे बढ़कर 89.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है. लखनऊ में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

एचडीएफसी , ऐक्सिस, आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड सर्वाधिक घटे

मुंबई: (एजेंसी)

वित्त वर्ष 2023 की जुलाई-सितंबर तिमाही में में क्रेडिट कार्ड की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मानकों में अनिवार्य कर दिया है कि जो भी क्रेडिट कार्ड एक साल से ज्यादा समय से निष्क्रिय है, उसे बंद कर दिया जाए।

उसके बाद से ही कई बड़े बैंकों के क्रेडिट कार्ड तेजी से घटे हैं। मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में क्रेडिट कार्डों की संख्या 25.5 लाख घटकर 7.77 करोड़ रह गई है। इसके पहले यह उद्योग औसतन एक महीने में 15 लाख क्रेडिट कार्ड जारी कर रहा था, क्योंकि बैंक कोविड महामारी के बाद असुरक्षित ऋण व्यवसाय में आक्रामक रूप से कदम बढ़ा रहे थे। इस साल अप्रैल में रिजर्व बैंक ने क्रेडिट और डेबिट कार्ड जारी करने को लेकर दिशानिर्देश दिया था, जिसमें कहा गया था कि अगर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल एक साल से ज्यादा समय से नहीं हो रहा है, तो कार्डधारक को सूचना दी जाए।

अगर कार्डधारक की ओर से 30 दिन के भीतर कोई जवाब नहीं मिलता है तो कार्ड जारी करने वाले बैंक द्वारा कार्ड बंद कर दिया जाए, जो कार्डधारक के सभी बकायों के भुगतान पर निर्भर होगा। इसके साथ ही कार्ड की बंदी की सूचना क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनी को 30 दिन के भीतर अद्यतन कर दी जाएगी। देश में कार्ड जारी करने वाले सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक के कुल कार्डों की संख्या में वित्त वर्ष 23 की दूसरी तिमाही में 16.2 लाख क्रेडिट कार्डों की कमी आई। सितंबर के अंत में बैंक के कार्डों की कुल संख्या घटकर 163.2 लाख रह गई है, जो जुलाई में 180 लाख थी। एचडीएफसी बैंक के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) श्रीनिवासन वैद्यनाथन ने एक एनालिस्ट कॉल में कहा था, 'तिमाही के दौरान हमने 12 लाख कार्ड जारी किए हैं। कुल कार्डों की संख्या अब 163 लाख है। तिमाही के दौरान हमने 24 लाख कार्ड बंद किए हैं, जो रिजर्व बैंक के सर्कुलर के मुताबिक निष्क्रिय थे।' ऐक्सिस बैंक दूसरे स्थान पर है, जिसके कार्डों की संख्या इस दौरान 11 लाख कम हुई है। इसकी वजह से बैंक के कुल क्रेडिट कार्डों की संख्या घटकर 88.2 लाख रह गई है, जो जुलाई में करीब 100 लाख थी। वहीं दूसरी तरफ आईसीआईसीआई बैंक के इस दौरान 4,09,147 कार्ड घटे हैं।

लेटेस्ट वर्जन पियाजियो एमपी3 500 एचपीई लॉन्च

-पावर बाइक्स को टक्कर देता है ये स्कूटर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

पियाजियो कंपनी ने हाल ही में अमेरिकी बाजार में एक तीन पहिए वाला स्कूटर को पेश किया है। पियाजियो लवर इस स्कूटर की चर्चा बीते कई महीनों से कर रहे थे। यह स्कूटर पियाजियो एमपी3 400 का अपडेटेड वर्जन है। वर्ष 2020- 21 मई पियाजियो कंपनी ने इस स्कूटर को लांच किया था। लॉन्च होने के बाद से ही कई ग्राहक इस स्कूटर की शिकायत कर रहे थे। इसलिए कंपनी ने 1 वर्ष के भीतर ही इसके अगले वर्जन पियाजियो एमपी3 500 एचपीई को लॉन्च कर दिया है। इसके साथ ही पुराने ग्राहकों को भी कंपनी ने दिशा-निर्देश जारी किया है। तीन पहिए वाले स्कूटर में ब्रेकिंग की समस्या को देखते हुए कंपनी ने पियाजियो एमपी3 400 में बदलाव किया है। साथ ही बयान जारी करते हुए यह भी कहा है कि जिन लोगों को इसमें शिकायत है अभी कंपनी में स्कूटर वापस देकर इसे सही करवा सकते हैं। तीन पहियों में डिस्क ब्रेक दिया गया है। इसके अलावा ये 3 चैनल एबीएस के साथ ये लैस है। पियाजियो एमपी3 500 एचडी में पिलर और राइडर दोनों को बैठने के लिए चौड़ी सीट मिलती है। सीट के नीचे दो हेलमेट आराम से रख सकते हैं। इसके अलावा सीट खोलने के लिए कंपनी के ऐप का इस्तेमाल कर पाएंगे। इस स्कूटर में टिल्टिंग सस्पेंशन लॉक दिया गया है। इंजन बंद होने पर इसमें अपने आप लॉक लग जाता है। इसमें रिवर्स गियर दिया गया है। कंपनी ने दावा किया है कि रिवर्स गियर के साथ पहली बार इसे लॉन्च किया गया है। यह 22.2पीएस पावर के साथ लैस है। इस स्कूटर की कीमत 9.5 लाख रुपये है। यह दो वेरिएंट में उपलब्ध है स्पोर्ट वेरिएंट की कीमत 1 लाख रुपये अधिक है। आपको बताते चलें कि यह स्कूटर हमारे देश में उपलब्ध नहीं है। फिलहाल इसे अमेरिकी बाजार में पेश किया गया है। बता दें कि भारत के साथ ही दुनिया के कई देशों में लगभग प्रत्येक दिन अलग-अलग कंपनी की बाइक और कार लॉन्च होती है। हमारे देश में ज्यादातर लोग अब पेट्रोल इंजन के मुकाबले इलेक्ट्रिक इंजन के साथ वाहन खरीदना चाहते हैं। सरकार भी इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए इस पर सब्सिडी दे रही है।

मैक्स वेरस्टापेन ने दर्ज की 14वीं जीत, F1 सत्र में सर्वाधिक जीत का बनाया रिकॉर्ड

मेक्सिको सिटी ।

नीदरलैंड के मैक्स वेरस्टापेन ने रविवार को यहां मौजूदा सत्र की 14वीं फार्मूला वन रेस जीतकर एक सत्र में सबसे अधिक रेस जीतने का रिकार्ड बनाया। वेरस्टापेन ने पिछले हफ्ते ही अमरीका के टेक्सास में फॉर्मूला वन रेस जीतकर जर्मनी के माइकल शूमाकर और सेबेस्टियन वेटेल के सत्र में 13 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। वेरस्टापेन ने रविवार को मैक्सिको सिटी ग्रां प्री में सत्र की अपनी 14वीं जीत के साथ एक सत्र में सर्वाधिक एफवन जीत का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सत्र में 13 जीत के रिकॉर्ड को तोड़ा। पिछला रिकॉर्ड 2004 में शूमाकर ने बनाया था जबकि 2013 में वेटेल ने इसकी बराबरी की थी।

टी20 विश्व कप : टकर का शानदार प्रयास, ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को हराया

ब्रिस्बेन । ऑस्ट्रेलिया ने लोकरन टकर (71 नाबाद) की जुझारू अर्द्धशतकीय पारी के बावजूद आयरलैंड को टी20 विश्व कप 2022 के सुपर-12 मुकाबले में सोमवार को 42 रन से मात दी। ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप-1 के मैच में आयरलैंड को 180 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में आयरलैंड 18.1 ओवर में 137 रन पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए जहां आयरलैंड के अन्य बल्लेबाज 20 रन के स्कोर तक भी नहीं पहुंच सके, वहीं टकर ने एकतरफा प्रयास करके आयरलैंड की उम्मीदों को जीवित रखा। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए टकर ने 48 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्का लगाकर नाबाद 71 रन बनाए लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला और आयरलैंड लक्ष्य से 42 रन दूर रह गई। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-1 में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है जबकि आयरलैंड चौथे पायदान पर है। इससे पहले आयरलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को सिर्फ तीन रन पर पवेलियन भेज दिया। फिंच ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाते हुए मार्श के साथ 52 रन की साझेदारी की। बैरी मैकार्थी (29/3) ने मार्श को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा, जबकि जोशुआ लिटिल (21/2) ने ग्लेन मैक्सवेल को 13 रन पर आउट करके ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया। इसके बाद विकेट पर आए स्टॉयनिस ने फिंच के साथ अर्द्धशतकीय साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अंत में टिम डेविड (15 नाबाद) और मैथ्यू वेड (07 नाबाद) ने आखिरी ओवर में 17 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को 179/5 के स्कोर तक पहुंचाया।

भारतीय टीम इस बार खिताब जीतेगीः सहवाग

2011 में भी दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद टीम ने जीता था खिताब

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम टी20 विश्वकप जरुर जीतेगी। सहवाग के अनुसार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम की हार और आयरलैंड की इंग्लैंड पर जीत के बाद ही ये अजब संयोग बना है। उन्होंने कहा , साल 2011 में भी भारतीय टीम विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद विश्व चैम्पियन बनी थी। इसके अलावा आयरलैंड ने भी साल 2011 में इंग्लैंड को हराया था। सहवाग ने कहा कि इस बार भारतीय टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने शानदार खेल दिखाकर मैच पर कब्जा कर लिया। भारत ने अंत तक अच्छा संघर्ष किया हालांकि पर्याप्त रन नहीं होने से स्कोर का बचाव नहीं किया जा सका। भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक की सहायता से 133 रन बनाये थे। दक्षिण अफ्रीका ने ये लक्ष्य पांच विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी की थी पर लक्ष्य छोटा होने के कारण वह उसका बचाव नहीं कर पाये। पर्थ की तेज पिच पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का जो फैसला किया व सही नहीं रहा। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल फिर नाकाम रहे और दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। यह तीसरा मैच है जिसमें वह असफल रहे हैं। इस मैच में अक्षर पटेल की जगह शामिल किये गये दीपक हूडा ने भी निराश किया।

ऑगर-एलियासिम ने स्विस इंडोर का खिताब जीता

बासेल। कनाडा के फेलिक्स ऑगर-एलियासिम ने रविवार को फाइनल में होल्गर रूने को हराकर स्विस इंडोर टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता जो अक्टूबर में उनका तीसरा खिताब है। ऑगर-एलियासिम ने रूने को फाइनल में सीधे सेट में 6-3, 7-5 से हराया। ऑगर-एलियासिम ने टूर्नामेंट के दौरान पांच मैच में एक भी बार अपनी सर्विस नहीं गंवाई। रविवार को रूने को भी उनके खिलाफ तीन ब्रेक प्वाइंट मिले लेकिन उन्होंने तीनों बचा लिए। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी ऑगर-एलियासिम ने इससे पहले अक्टूबर में इटली के फ्लोरेंस और बेल्जियम के एंटवर्प में भी खिताब जीते थे।

अंडर-17 महिला विश्व कप : स्पेन बना चैंपियन, फाइनल में कोलंबिया को 1-0 से दी मात

मुंबई : मौजूदा चैम्पियन स्पेन ने पहली बार फाइनल में पहुंची कोलंबिया की टीम को 1-0 से हराकर रविवार को यहां फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में इससे पहले शानदार प्रदर्शन करने वाले कोलंबिया के लिए अंत निराशाजनक रहा क्योंकि वह आत्मघाती गोल के कारण हार गया। डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए फाइनल के 82वें मिनट में कोलंबियाई डिफेंडर एना मारिया गुज़मैन ज़ापाटा ने आत्मघाती गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

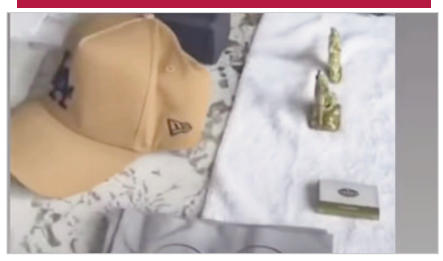

कमरे का विडियो वायरल होने से विराट और अनुष्का नाराज , निजता का हनन बताया

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने उनके कमरे का विडियो मीडिया पर आने को लेकर नाराजगी जतायी है। कहा जा रहा है कि किसी अनजान व्यक्ति ने विराट के कमरे का यह वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर जारी कर दिया। यह मामला तब का है जब विराट होटल में नहीं थे। इस वीडियो में कोहली के पूरे कैमरे को दिखाया गया है। इसमें उनके जूते, किचन और बाकी सामान नजर आ रहा है. कोहली ने वीडियो को निजता का हनन करार दिया है। कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं समझता हूं कि प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ी को देखकर काफी खुश होते हैं और मिलने के काफी उत्सुक रहते हैं। मैंने हमेशा इसे सही मान है पर इस प्रकार से किसी की निजता का हनन करन के लिए वीडियो बनाना भयानक है और इसने मुझे अपनी निजता बनाये रखने के बारे में बहुत ज्यादा सोचने पर विवश कर दिया है।' कोहली ने साथ ही कहा, 'अगर मैं होटल के कमरे में निजता नहीं रख सकता, तो फिर मैं कहां अपने लिए निजता की अपेक्षा कर सकता हूं? मैं इस तरह का व्यवहार सहन नहीं कर सकता। कृपया लोगों की निजता का सम्मान करें और उन्हें मनोरंजन का सामान न समझें।' वहीं इस वीडियो पर विराट की पत्नी अनुष्का शर्मा ने भी नाराजगी व्यक्त की है। अनुष्का ने ऐसा करने वाले की क्लास भी लगा दी। अनुष्का ने इस वीडियो को रिकॉर्ड करने वाले प्रशंसक को इंटरनेट पर वायरल कर दिया। उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, मैंने पहले भी ऐसी घटना देखी है, जब प्रशंसकों ने बिना कुछ सोचे ऐसी हरकत कर डाली हो, लेकिन ये बहुत बुरा है। कुछ लोग सेलिब्रिटी को देखते हैं और सोचते हैं कि ये तो सेलिब्रिटी हैं, डील करना पड़ेगा पर आपको समझना होगा कि आप इस गलती का हिस्सा हैं। अगर कोई आपके बेडरूम में घुसकर ऐसा करे तब बताइए आपको कैसा लगेगा।

राहुल , अश्विन की जगह ऋषभ ओर चहल को शामिल करें : हरभजन

पर्थ।

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद टीम में बदलाव किये जाने चाहिये। इस मैच में सूर्यकुमार को छोड़कर अन्य भारतीय बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल एक बार फिर नाकाम रहे। कप्तान रोहित शर्मा भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। गेंदबाजों ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम को रनों के लिए संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया। हरभजन के अनुसार राहुल को अब अवसर न देते हुए आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को जगह देनी चाहिये। इससे टीम को विकेटकीपर के साथ ही एक बल्लेबाज भी मिलेगा। वैसे भी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में चोटिल हो गये थे। हरभजन ने कहा, 'टीम इंडिया को अब कुछ कड़े फैसले लेने ही पड़ेंगे। टीम को आगे बढ़ने के बारे में सोचना होगा। राहुल एक अच्छा बल्लेबाज है पर वह अभी लय में नहीं है , ऐसे में उसे ब्रेक देते हुए ऋषभ को लाना चाहिए। कार्तिक चोटिल लग रहा है, मुझे नहीं पता कि उसकी स्थिति क्या है। अगर वह ठीक नहीं है, तो ऋषभ रोहित शर्मा के साथ पारी शुरु कर सकते हैं।' गेंदबाजों ने अब तक अच्छा खेल दिखाय है। उन्होंने कम औसत स्कोर के बाद भी दक्षिण अफ्रीका पर अंकुश लगाये रखा। अनुभवी स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को रखना नुकसानदेह साबित हुआ है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने चार ओवर में 43 रन दिये थे।

उनके गेंदबाजी के कारण ही अफ्रीकी बल्लेबाज रन बनाने में सफल रहे। ऐसे अब उनकी जगह पर युजवेंद्र चहल को अवसर दिया जाना चाहिये क्योंकि वह विकेट लेने वाला गेंदबाज है। विरोध टीम पर दबाव बनाने के लिए विकेट लेना जरुरी होता है। चहल वैसे भी टी20 प्रारुप के एक बेहतरीन गेंदबाज हैं।

टी20 विश्वकप : सलामी बल्लेबाज राहुल , बाबर और वॉर्नर हुए फ्लॉप

सिडनी । टी20 विश्वकप क्रिकेट में अब तक तीन सलामी बल्लेबाज बुरी तरह नाकाम रहे हैं। इनमें भारत के लोकेश राहुल पाकिस्तान के बाबर आजम और मेजबान ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर शामिल हैं। इनकी खराब बल्लेबाजी से इनकी टीमों पर भी प्रभाव पड़ा है। मेजबान टीम के वार्नर ने अब तक क्रिकेट में 11 हजार से अधिक रन बनाये हैं पर इस बार विश्वकप में वह अब तक असफल रहे हैं। इससे टीम को भी करारा झटका लगा है और सुपर-12 के ग्रुप-1 में खराब प्रदर्शन के कारण मेजबान टीम चौथे नंबर पर ही है। टीम का नेट रनरेट भी माइनस में है। ऐसे में उसके सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बेहद कम हैं। वहीं भारतीय सलामी बल्लेबाज राहुल अपने तीनों मैचों में एक बार भी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं उन्होंने तीन मैचों में कुल मिलाकर 22 रन बनाये हैं जबकि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम अपने तीन मैच में आठ रन ही बना पाये। वहीं वार्नर भी अपने तीन मैचों में 19 रन ही बना पाये। ग्रुप-1 की बात करें, तो अभी ऑस्ट्रेलिया के 3 मैच में 3 अंक हैं, जबकि उसका नेट रनरेट -1.555 का हैं। वहीं इंग्लैंड का 0.239 है। न्यूजीलैंड 5 अंक के साथ शीर्ष पर है।

भुवनेश्वर बोले , कैच ओर रन आउट के अवसर नहीं गंवाते तो परिणाम कुछ और होता

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अगर एडेन मार्करम का कैच नहीं गिरता और कुछ करीबी रन आउट के हमारे प्रयास सफल हुए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता। इस अहम मैच में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आर अश्विन की गेंद पर एडम मार्करम का एक आसान-सा कैच गिरा दिया था जबकि तब यह बल्लेबाज 35 रन पर था। भुवनेश्वर ने मैच के बाद कहा, 'हां, अगर हम उस कैच को पकड़े लेते, तो मैच बदल जाता। मैच जीतने में कैच की अहम भूमिका होती है। अगर वह अवसर हाथ से नहीं निकलते तो मैच हमारे कब्जे में आ जाता।' भुवनेश्वर के इस बयान से साफ है कि वह टीम की फील्डिंग से संतुष्ट नहीं थे। इस तेज गेंदबाज ने कहा, ' जिस कैच को हमने छोड़ा और जिन रन आउट के अवसर का लाभ उठाने में हम असफल रहे उसी से मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि अगर हम अवसरों को नहीं गंवाते तो हालात अलग होते। इसके लिए मैं किसी विशेष स्थिति को दोष नहीं ठहरा सकता।' दक्षिण अफ्रीकी टीम ने तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की घातक गेंदबाजी के बाद मार्करम और डेविड मिलर के अर्धशतकों की सहायता से सुपर 12 के मैच को पांच विकेट से जीत लिया था। मार्करम ने इस मैच में 52 जबकि मिलर ने नाबाद 59 रन बनाये।

भुवनेश्वर ने रोहित का बचाव किया , अश्विन को 18वां ओवर देने को सही बताया

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कप्तान रोहित शर्मा का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-12 मैच में 18 वां ओवर आर अश्विन को देकर कोई गलती नहीं की थी। तब उनके पास दूसरे विकल्प के तौर पर केवल दीपक हुड्डा ही थे। अश्विन ने मैच के 14वें और अपने तीसरे ओवर में 17 रन दिये थे ऐसे में उन्हें 18वां ओवर देने के रोहित के फैसले पर कई लोगों ने सलाल उठाये हैं। भुवनेश्वर ने कहा, 'आम तौर पर, माना जाता है कि अगर स्पिनर चीजों को कस कर रख सकता है, तो अंत में बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाजों का सामना करना कठिन हो जाता है। ऐसे में अगर आप स्पिनर को अंत में रखते हैं, तो बल्लेबाजी के लिए रन बनाना आसान होता है। साथ ही कहा कि अगर अश्विन के ओवर में कैच नहीं गिरता और हमें विकेट मिल जाता, तो परिणाम कुछ और होता।' उन्होंने कहा कि भारत में जहां ओस के कारण में लक्ष्य का पीछा करना आसान है। वहीं ऑस्ट्रेलिया में एक शहर से दूसरे शहर में भी हालात बदल जाते हैं। इसलिए कुछ भी पहले से तय नहीं किया जा सकता।

ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलना होगाः हरमनप्रीत

भुवनेश्वर।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने यहां एफआईएच पुरूष प्रो लीग में निचली रैंकिंग की स्पेन से मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम को ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलकर अच्छे नतीजे हासिल करने होंगे। भारत को रविवार को यहां स्पेन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा जो मौजूदा चरण में उसकी पहली हार है। इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर से मिले मौकों का फायदा उठाने को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गयी। भारत ने टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में न्यूजीलैंड पर 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज की थी। दुनिया की पांचवें नंबर की भारतीय टीम ने आठवीं रैंकिंग की स्पेन के खिलाफ पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन टीम एक को ही गोल में बदल पायी जो हरमनप्रीत ने 27वें मिनट में किया। हरमनप्रीत ने कहा, ''हम काफी मौके बना रहे थे। हमें काफी पेनल्टी कॉर्नर भी मिले। हम विभिन्न संयोजन और 'वैरिएशन' की कोशिश कर रहे थे। लेकिन कभी कभार ये काम नहीं करते। हमें अगले हफ्ते दो और मैच खेलने हैं, इसलिये उम्मीद करते हैं कि हम ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलने की कोशिश करेंगे। 'टीम के लिये एक मैदानी गोल अभिषेक ने 55वें मिनट में किया। भारतीय टीम अब 'रिवर्स चरण' के मुकाबलों में चार नवंबर को न्यूजीलैंड और छह नवंबर को स्पेन से भिड़ेगी। हरमनप्रीत ने कहा, ''हम पूरे दबदबे से खेलने की कोशिश करते हैं। इसलिये हम ज्यादा मौके बना सकते हैं। हम काफी पास दे पा रहे थे और प्रतिद्वंद्वी के सर्कल में प्रवेश कर रहे थे। लेकिन हम अपनी 'फिनिशिंग' में सुधार कर सकते हैं।'

ब्रिटेन में महिला सुपर लीग में आर्सेनल की जार्डन गोल करने के बाद साथी खिलाड़ियों के साथ खुशी मनाती हुई।

करीब 200 गुजरातियों की लाशों पर बैटकर कब तक भ्रष्टाचार की नोट से वोट खरीदोगे : पवन खेडा

अहमदाबाद ।

मोरबी ब्रिज दुर्घटना को लेकर कांग्रेस ने आज भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किए। गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार परिषद में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेडा ने कहा कि करीब 200 गुजरातियों के लाशों पर बैठकर आखिर कब तक भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के नोट से वोट खरीदेगी। मोरबी दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री को तुरंत अपने पद इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 125 साल पुराने मोरबी के केबल ब्रिज का रखरखाव एक ऐसी प्राइवेट कंपनी को दिया गया जिसे इसकी कार्यपद्धति के बारे में कोई ज्ञान नहीं है और उसे मेन्टेनेंस का कोई अनुभव था। ओरेवा कंपनी एलईडी बल्ब, केल्क्यूलेटर, मच्छर मारने के रैकेट और घड़ी बनाने वाली एक प्राइवेट कंपनी है। इस प्राइवेट कंपनी को किसके आदेश, नगर पालिका के किस विभाग से और किसकी सिफारिश पर केबल ब्रिज के रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी? पवन खेडा ने कहा कि ब्रिज दुर्घटना के में किसके किलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है? कौन लोग इस घटना के लिए दोषी हैं? बगैर फिटनेस सर्टिफिकेट और लोड बेरिंग केपिसिटी के नियमों के मुताबिक सर्टिफिकेट किस विभाग ने जारी किए? चुनाव के वक्त नौटंकी करने और गुजरात के लोगों की जिंदगी दांव पर लगाकर बगैर किसी सुरक्षा का जायजा लिए आखिर किस लिए केबल ब्रिज का उदघाटन किया गया? सब सुरक्षित, भय मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त और खुशहाल जीवन की बात करने वाली भाजपा सरकार करीब 200 लोगों की लाशों पर बैठकर वाह-वाह की राजनीति करना कब बंद करेगी? क्या इसका जवाब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास है? कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि अहमदाबाद के नवनिर्मित 'अटल ब्रिज' के फिटनेस सर्टिफिकेट और लोड बेरिंग केपिसिटी का सर्टिफिकेट गुजरात की आम जनता को देखने अधिकार है, जिसकी कॉपी प्रचार-प्रसार के माध्यम से सार्वजनिक किया जाएगा? एकतरफा मन की बात करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात की साढ़े छह करोड़ की जनता के मन की बात कब सुनेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा गुजरात की धरोहर का फिटनेस सर्टिफिकेट और उसका ऑडिट अगर नहीं कराती है तो इस बार के चुनाव में राज्य की जनता उसके खिलाफ तानाशाही व्यवहार ऑडिट कर जवाब देगी।

केबल ब्रिज दुर्घटना में 12 साल से कम उम्र के 40 बच्चों की मौत

मोरबी।

मोरबी के मच्छू नदी पर बने केबल ब्रिज को रविवार को अचानक टूटने से महिला और बच्चों समेत 150 जितने लोगों की मौत हो चुकी है। इस हादसे में किसी ने अपने माता-पिता, किसी ने भाई-बहन तो किसी ने पत्नी और संतानें गंवा दी हैं। मृतकों में 40 बच्चे ऐसे थे, जिनकी आयु 12 साल से भी कम उम्र की थी। दुर्घटना में मारे गए 130 से अधिक लोगों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इस दर्दनाक हादसे में भाजपा सांसद मोहन कुंडारिया के 12 रिश्तेदारों की भी मौत हुई है। घटना के 20 घंटे बीतने के बाद भी मच्छू नदी में सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना, नौसेना, वायुसेना, एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन कर रही हैं। गुजरात पुलिस की मरीन टास्क फोर्स भी इस काम लगी हुई है। गौरतलब है मोरबी के मच्छू नदी पर केबल ब्रिज का निर्माण 18।। में शुरू हुआ था और इसका उदघाटन 1880 में मुंबई के तत्कालीन गवर्नर रिचर्ड टेम्पल ने किया था। उस वक्त केबल ब्रिज के निर्माण पर रु. 5 लाख का खर्च हुआ था। उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित लक्ष्मण झूला की तरह मोरबी का केबल ब्रिज था। जहां बड़ी संख्या में लोग आते थे। 140 साल पुराने इस ब्रिज के जर्जर होने के बाद इसे बंद कर दिया गया और इसके मरम्मत और रखरखाव का काम ओरवा ग्रुप को दिया गया था। 6 महीने तक ब्रिज बंद रहने के दौरान इसकी मरम्मत पर करीब 2 करोड़ रुपए का खर्च किया गया था। गुजराती नव वर्ष के अवसर पर गत 26 अक्टूबर को ब्रिज लोगों के लिए खोला गया था। बीते दिन रविवार को 100 लोगों की क्षमता वाले इस ब्रिज पर 500 से अधिक लोग जमा हो गए। ओवरलोड होने की वजह से ब्रिज अचानक टूट गया और ब्रिज पर मौजूद लोग मच्छू नदी में जा गिरे। जिसमें जो तैरना जानते थे वह तो किसी प्रकार बाहर आ गए। कई लोगों ने ब्रिज टूटने के बाद केबल या जाली पकड़ कर अपनी जान बचा ली। अब तक 150 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

गहलोत की ब्रिज दुर्घटना की न्यायिक जांच की मांग, बगैर पीएम के शव सौंपने पर भी उठाए सवाल

मोरबी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री और गुजरात कांग्रेस के पर्यवेक्षक अशोक गहलोत ने मोरबी के ब्रिज दुर्घटना की हाईकोर्ट के न्यायधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने बगैर पोस्टमार्टम कराए शवों को उनके परिजनों को सौंपने पर भी सवाल उठाए हैं। रविवार को मोरबी में हुए ब्रिज हादसे के घायलों से मिलने मोरबी के सिविल अस्पताल पहुंचे अशोक गहलोत ने कहा कि ब्रिज पर ज्यादा लोगों के एकत्र होने की वजह से दुर्घटना हुई है। बड़ा सवाल यह है कि किसकी मंजूरी से यह ब्रिज लोगों के खोला गया था। इस गंभीर दुर्घटना की जांच के लिए एसआईटी कोई विकल्प नहीं है। पूरे मामले की जांच हाईकोर्ट के न्यायधीश की अध्यक्षता में करवाई जाए और तीन महीने के भीतर इसकी रिपोर्ट सौंपने की मांग की है। ताकि पता चले सके कि इतने बड़े हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है? बता दें कि मोरबी दुर्घटना के कारण गुजरात कांग्रेस की आज से प्रारंभ होनेवाली परिवर्तन संकल्प यात्रा एक दिन यानी आज के लिए स्थगित कर दी गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह, कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद, राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा, राजस्थान के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और गुजरात कांग्रेस के प्रभारी डॉ. रघु शर्मा, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर, ललित कथगरा मोरबी पहुंचे और घायल से मिलकर उनके हालचाल लिए। साथ ही दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी।

मोरबी हादसे में विपक्ष हमलावार, भाजपा ने कहा संकट की घंडी में राजनीति ठीक नहीं

गांधीनगर। गुजरात में विधानसभा चुनाव करीब हैं। इस समय मोरबी में केबल ब्रिज गिरने के बाद करीब 140 लोगों की मौत हो गई। इससे फैलने वाले गुस्से को लेकर सतर्क भाजपा ने विपक्ष के आरोपों पर कहा कि ये संकट की घड़ी है, ये वक्त राजनीति करने का नहीं है। गुजरात सरकार ने हादसे की चपेट में आए लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सभी संसाधन लगाए हैं, और पार्टी का शीर्ष नेतृत्व लगातार घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे के शिकार हुए लोगों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

अगर यह मामला तूल पकड़ता है,तब गुजरात बीजेपी के लिए त्रासदी के नतीजे चिंता पैदा करने वाले हो सकते हैं। यह देखकर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी खुद राहत और बचाव कार्यों को देखने के लिए मैदान में डटे हैं। राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए एसआईटी के गठन की भी घोषणा की है। जबकि भाजपा को लगता है कि विपक्षी दल त्रासदी से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर सकते हैं। अभी तक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से घायलों को हर संभव सहायता देने और लापता लोगों को खोजने में मदद करने के लिए कहा है। आम आदमी पार्टी (आप) की मोरबी इकाई ने भी बचाव अभियान में मदद के लिए अपने कैडर को जुटाया है।

बीजेपी के नेता ने कहा कि हर कोई हर किसी की हरकतों पर नजर रख रहा है। मौतों पर राजनीति करते हुए कोई भी नहीं दिखना चाहता है। जबकि विपक्ष ने बड़े पैमाने पर भाजपा पर निशाना साधने में संयम बरता है, कुछ इसतरह के लोग थे, जो पीछे नहीं हटे। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने पूछा कि क्या यह घटना 'मानव निर्मित त्रासदी' थी। जबकि दिग्विजय सिंह ने 2016 में एक फ्लाईओवर गिरने के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर पीएम नरेंद्र मोदी के हमले की याद दिलाकर पूछा कि क्या मोरबी त्रासदी एक 'भगवान का कार्य है या धोखाधड़ी का कार्य है।

सिक्किम के एआईसीसी प्रभारी डॉ अजय कुमार ने ट्वीट किया कि 'अब तब मॉडल शब्द से डर लगता है, गुजरात में भ्रष्टाचार चरम पर है। मोरबी के पुल के साथ बीजेपी का मायाजाल टूटा। जबकि यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने मरम्मत किए गए पुल तक पहुंचने के लिए 12 रुपये और 17 रुपये के पास की तस्वीरें ट्वीट करते हुए उन्हें 'मौत के पास' कहा। इस बीच कुछ भाजपा नेताओं ने इस त्रासदी के पीछे एक साजिश का संकेत दिया है.। पार्टी नेता कपिल मिश्रा ने आप से संबंधित हैंडल से ट्वीट के कुछ स्क्रीन शॉट साझा किए। जिन्होंने राज्य चुनावों में भाजपा को 'झटका' लगाने की चेतावनी दी थी।

उका तरसाडिया विश्वविद्यालय में विभिन्न कुडो टूर्नामेंट का आयोजन किया

14वें अक्षय कुमार इंटरनेशनल कूडो टूर्नामेंट, 13वें कूडो नेशनल (मंत्रालय से मान्यता प्राप्त) टूर्नामेंट और तीसरा कूडो फेडरेशन कप का सफलतापूर्वक आयोजन

सूरत भूमि, सुरत। कोरोना महामारी के दो साल बाद 14वें अक्षय कुमार इंटरनेशनल फूड टूर्नामेंट के साथ सूरत में 13वें कूडो नेशनल (मंत्रालय द्वारा स्वीकृत) टूर्नामेंट और तीसरे कूडो फेडरेशन कप का आयोजन किया गया। ये तीनों टूर्नामेंट 25 अक्टूबर को उका तरसाडिया यूनिवर्सिटी में शुरू हुए थे। 26 नवंबर को हुए इस टूर्नामेंट में खुद बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार मौजूद रहे और उन्होंने सभी कंटेस्टेंट्स का हौसला बढ़ाया साथ ही इस मौके पर सूरत रेंज के आईजी डॉ राजकुमार पांडियन बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।

उका तरसाडिया विश्वविद्यालय के कूडो इंटरनेशनल फेडरेशन इंडिया के अध्यक्ष हांशी मेहुल वोरा और सचिव रेंशी विस्पी खराडी के मार्गदर्शन में आयोजित इस छह दिवसीय कूडो कार्यक्रम में 32 राज्यों और पड़ोसी देशों के कुल 4500 प्रतियोगियों ने भाग लिया। इस अवसर को हॉलैंड और यूनाइटेड किंगडम की अंतर्राष्ट्रीय टीमों द्वारा चिह्नित किया गया था।

अध्ययनों से पता चलता है कि बादाम के सेवन से कुछ गट माइक्रोबायोटा कार्यक्षमता को फायदा हो सकता है

मानव गट माइक्रोबायोम को समझने में वैज्ञानिक प्रगति पोषण और जठरांत्र संबंधी स्वास्थ्य के रोमांचक विशेषज्ञ हैं। शोधकर्ताओं को पता है कि आहार आंत माइक्रोबायोम को उन तरीकों से प्रभावित करता है जो स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम को लाभ पहुंचाते हैं, लेकिन वे अभी भी तंत्र की खोज कर रहे हैं कि यह कैसे होता है। बादाम का नया शोध इस पहेली में एक और टुकड़ा जोड़ सकता है। एक नैदानिक अध्ययन ने जांच की कि कैसे आंत के रोगाणु बादाम को तोड़कर ब्यूटायरेट का उत्पादन करते हैं, जो कई स्वास्थ्य लाभों से जुड़ा एक विशिष्ट माइक्रोबायोटा उत्पाद है।

नए शोध में पाया गया है कि बादाम खाने से आंत में ब्यूटायरेट, एक प्रकार का फायदेमंद शॉर्ट-चेन फैटी एसिड (एससीएफए) बढ़ जाता है। ब्यूटरेट, जो फाइबर को पचाने के दौरान आंत में रोगाणुओं द्वारा निर्मित होता है, कोलोनोसाइट्स के लिए प्राथमिक ईंधन स्रोत है, कोशिकाएं जो कोलन को लाइन करती हैं, और मानव स्वास्थ्य से संबंधित कई प्रक्रियाओं में भूमिका निभाती हैं, जिसमें नींद की गुणवत्ता में सुधार और सूजन से लड़ना शामिल है। कर सकते हैं कोलोन कैंसर के कम जोखिम से संबद्ध। 2,3. बादाम के सेवन से मल उत्पादन में भी काफी वृद्धि होती है। नियमित मल उत्पादन एक अच्छी तरह से काम कर रहे जठरांत्र प्रणाली के साथ जुड़ा हुआ है। किंग्स कॉलेज लंदन के प्रोफेसर केविन पहलन के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम ने आंत माइक्रोबायोटा, आंत माइक्रोबायोटा विविधता और आंतों के पारगमन समय संरचना पर पूरे बादाम और जमीन बादाम के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए निर्धारित किया। इस अध्ययन के लिए वित्त पोषण कैलिफोर्निया के बादाम बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया था।

"जिस तरह से आंत माइक्रोबायोटा मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करता है वह ब्यूटरेट जैसे शॉर्ट-चेन फैटी एसिड के उत्पादन के माध्यम से होता है। ये अणु कोलन में कोशिकाओं के लिए ईंधन स्रोत के रूप में कार्य करते हैं, वे आंत में अन्य पोषक तत्वों के अवशोषण को नियंत्रित करते हैं, और वे प्रतिरक्षा प्रणाली को व्यवस्थित करें। संतुलन में मदद करता है, "केविन व्हेलन, (पीएचडी, आरडी, डायटेटिक्स के प्रोफेसर, किंग्स कॉलेज लंदन) बताते हैं।

वाइटल केमटेक का रूपए 64.64 करोड़ का आईपीओ 31 अक्टूबर, 2022 को खुलेगा

मुंबई ।

अहमदाबाद स्थित वाइटल केमटेक लिमिटेड (VITAL) एनएसई इमर्ज लिस्टिंग के लिए 64.64 करोड़ रुपये तक का अपना पहला आईपीओ लेकर आ रहा है।

2013 में स्थापित, वीसीएल उच्चतम गुणवत्ता अभ्यास और रासायनिक उद्योग के उच्चतम पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा (ईएचएस) मानकों के अनुरूप फॉस्फोरस डेरिवेटिव उत्पादों के व्यवसाय निर्माण में लगा हुआ है। इसकी विनिर्माण सुविधाएं जीआईडीसी क्षेत्र में 3 विभिन्न साइटों, पीसीपीआईआर क्षेत्र के दहेज क्षेत्र और अहमदाबाद के साणंद जिले के जीआईडीसी क्षेत्र में स्थित हैं।

कंपनी बुक-बिल्डिंग रूट के माध्यम से प्रत्येक 10 रुपये के 64,00,000 इक्विटी शेरों के आईपीओ के साथ आ रही है और 95 रुपये - 101 रुपये प्रति शेर के मूल्य बैंड की घोषणा की है। प्राइस बैंड की ऊपरी सीमा पर कंपनी 64.64 करोड़ रुपये जुटाने पर विचार कर रही है। आईपीओ 31 अक्टूबर, 2022 से 03 नवंबर, 2022 तक निर्धारित है। इसके बाद निवेशकों को न्यूनतम 1200 शेरों और उसके गुणकों में आवेदन करना होगा।

इश्यू कंपनी की पोस्ट-इश्यू पेड-अप कैपिटल का 26.72 फीसदी है। आवंटन के बाद शेरों को एनएसई के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट किया जाएगा। इस इश्यू के लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड है और इस इश्यू के रजिस्ट्रार स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड हैं।

कंपनी 25 नवंबर, 2011 को एक एलएलपी (सीमित देयता भागीदारी) फर्म से एक सीमित कंपनी में परिवर्तित हो गई। कंपनी ने पिछले तीन वित्तीय वर्षों में अपने कामकाज में वृद्धि दर्ज की है। एक एलएलपी फर्म के रूप में, वित्त वर्ष 2020, 2021 और 24 नवंबर, 2021 को समाप्त अवधि के लिए, इसने 41.61 करोड़ रुपये / 1.05 करोड़ रुपये, 47.68 करोड़ रुपये / 2.94 करोड़ रुपये और 86.04 करोड़ रुपये / 7.85 करोड़ रुपये का क्रमश: कारोबार / शुद्ध लाभ दर्ज किया है। एक सीमित इकाई के रूप में, 25.11.21 से 31.03.22 की अवधि के लिए, इसने 57.87 करोड़ रुपये / 6.71 करोड़ रुपये का कारोबार / शुद्ध लाभ पोस्ट किया है, और वित्त वर्ष 2023 के पहले महीने यानी अप्रैल 2022 के लिए, इसने 10.80 करोड़ टर्नओवर पर 1.35 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

वीसीएल की स्थापित क्षमता वित्त वर्ष 2019-20 में 12000 मीट्रिक टन से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2020-21 में 13200 मीट्रिक टन कर दी गई और वित्त वर्ष 2021-22 में इसे और बढ़ाकर 28800 मीट्रिक टन कर दिया गया। इसके कारोबार और मुनाफे

सूरत, गुजरात में 2 से 6 नवम्बर तक लोड द बॉक्स बुक फेयर का आयोजन

सूरत। सूरत के किताब प्रेमियों के लिए खुशी की बात है, क्योंकि किताब लवर्स के तत्वावधान में 2 से 6 तक इस्कॉन मॉल, राजहंस थिएटर के सामने, पिपलोड, सूरत, गुजरात में लोड द बॉक्स बुक फेयर का आयोजन होने जा रहा है। प्रदर्शनी में रोमांस से लेकर फंतासी, गैर-कथा, अपराध और बच्चों तक विभिन्न शैलियों की दस लाख से अधिक पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी।पांच दिवसीय पुस्तक मेला प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा।

किताब लवर्स के को-फाउंडर हरप्रीत सिंह ने कहा, 'हम सूरत आकर वाकई बहुत उत्साहित हैं। किताब लवर्स में, हम लोगों की पढ़ने की आदतों को प्रोत्साहित करने और उनमें सुधार करने के मिशन पर हैं। हमारा मानना है कि हर किसी के पास सबसे सस्ती कीमतों पर सर्वोत्तम पुस्तकों तक पहुंच होनी चाहिए, और यह 'लोड द बॉक्स' अवधारणा के पीछे मुख्य प्रेरक रहा है।"

उन्होंने आगे कहा, "हमने पुस्तक मेले में उपलब्ध पुस्तकों की श्रृंखला को सावधानीपूर्वक व्यवस्थित किया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वहां सभी के लिए कुछ न कुछ है। चाहे आप रोमांस उपन्यास या अपराध कथा या ऐतिहासिक उपन्यास, या यहां तक कि स्वयं सहायता किताबें पसंद करते हैं, हमारे पास हमारे मेले में यह सब उपलब्ध है। हमारे 'लोड द बॉक्स' अभियान के माध्यम से, हम भारत के पढ़ने के तरीके को बदलना चाहते हैं, एक समय में एक बुक बॉक्स; हम अधिक से अधिक युवाओं को अपने गैजेट्स से दूर समय बिताने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं और इसके बजाय खुद को उस ज्ञान के धन में डुबो देना चाहते हैं जो एक किताब पेश कर सकती है। मेले में एक मुफ्त पढ़ने का क्षेत्र होगा और लेखकों की हस्ताक्षरित प्रतियां भी उपलब्ध होंगी। किताब लवर्स, नई और पुरानी किताबों को सस्ती कीमत पर बेचने में विशेषज्ञता वाला स्टार्टअप, एक अभिनव 'लोड द बॉक्स' अवधारणा पेश करता है, जिसमें आगंतुक एक बॉक्स के लिए एकमुश्त भुगतान कर सकते हैं और बॉक्स को जितनी किताबें भर सकते हैं, भर सकते हैं। जब तक यह फ्लैट

बंद करने में सक्षम है तब तक पकड़ो। बॉक्स तीन अलग-अलग आकारों में उपलब्ध होंगे- मनी सेवर 1100 रुपये में (10-13 किताबों में फिट बैठता है); 1650 रुपये में वेल्थ बॉक्स (17-20 किताबों में फिट बैठता है); और ट्रेजर बॉक्स 2750 रुपये (30-33 किताबों में फिट बैठता है)

पुस्तक मेले में प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं और विजेताओं को मुफ्त बुक बॉक्स और डिस्काउंट वाउचर से पुरस्कृत किया जाएगा 76 को प्रसिद्ध लेखक व उपन्यासकार दुर्जोय दत्ता होंगे मुख्य अतिथि, साहित्यकारों से करेंगे विचार विमर्श।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)